राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,07फरवरी–2023 वर्ष–6,अंक–15 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

7.8 तीव्रता का भूकंप, 4 देशों में तबाही,1300 मौतें

तुर्किये में सबसे ज्यादा 912 लोग मारे गए, सीरिया में 386; भारत मदद भेजेगा

एजेंसी

अंकारा। मिडिल ईस्ट के चार देश तुर्किये (पुराना नाम तुर्की), सीरिया, लेबनान और इजराइल सोमवार सुबह भूकंप से हिल गए। सबसे ज्यादा तबाही एपिसेंटर तुर्किये और उसके नजदीक सीरिया के इलाकों में देखी जा रही है। तुर्किये की सबसे बड़ी न्यूज वेबसाइट 'अल सबाह' के मुताबिक, देश में अब तक 912 लोगों की जान चली गई है। 5385 लोगों के घायल होने की खबर है। सीरिया में 386 लोग मारे गए और 639 जख्मी हैं। दोनों देशों में मरने वालों की कुल संख्या करीब 1300 बताई गई है। लेबनान और इजराइल में भी झटके महसूस किए गए, लेकिन यहां नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप का एपिसेंटर तुर्किये का गाजियांटेप शहर था। यह सीरिया बॉर्डर से 90 किमी दूर है। इसलिए इसके आसपास के इलाकों में ज्यादा तबाही हुई। इसका असर भी दिख रहा है। दमिश्क, अलेप्पो, हमा, लताकिया समेत कई शहरों में इमारतें गिरने की खबर है। वहीं, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तुर्किये में आए भूकंप में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की संवेदनाएं तुर्किये के साथ हैं। भारत सरकार मदद के लिए राहत सामग्री के साथ NDRF और मेडिकल टीमों के खोज और बचाव दलों को तुर्की भेज रही है। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) के मुताबिक 7.8 तीव्रता के भूकंप के बाद 78 आफ्टर शॉक्स रिकॉर्ड किए गए। इन सब की तीव्रता 4 से 5 के बीच रही। पहले भूकंप के बाद आए 7 झटकों की तीव्रता 5 से ज्यादा थी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगले कुछ घंटों और दिनों तक आफ्टर शॉक्स महसूस किए जाएंगे। तुर्किये में 30 मिनट के अंदर भूकंप के 3 बड़े झटके महसूस किए गए। पहले भूकंप का केंद्र तुर्किये के कहरामनमारस प्रांत के गाजियांटेप शहर से 30 किलोमीटर दूर और जमीन से करीब 24 किलोमीटर नीचे था। लोकल समय के मुताबिक ये भूकंप सुबह 4 बजकर 17 मिनट पर आया। 6.7 तीव्रता का दूसरा झटका 11 मिनट बाद यानी 4 बजकर 28 मिनट पर आया। इसका केंद्र जमीन से 9.9 किलोमीटर नीचे था। इसके 19 मिनट बाद यानी 4:47 बजे 5.6 तीव्रता का तीसरा भूकंप भी आया। अंकारा, गाजियांटेप, कहरामनमारस, डियर्बकिर, मालट्या, नूरदगी समेत 10 शहरों में भारी तबाही हुई। यहां 1,710 से ज्यादा बिल्डिंग गिरने की खबर है। कई लोग मलबे के नीचे दबे हैं। लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। कई इलाकों में इमरजेंसी लागू कर दी गई है। उधर, यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) ने चौंकाने वाली बात कही है। इसके आंकड़ों के मुताबिक तुर्किये में मरने वालों की संख्या एक हजार हो गई है। यह संख्या 10 हजार तक पहुंच सकती है। USGS ने इसके पीछे तर्क दिया कि 1939 में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था। तब 30 हजार लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 1999 में 7.2 तीव्रता का भूकंप आया था, तब 17 हजार से ज्यादा लोगों की जान गई थी।

- 18 आफ्टर शॉक आए, झटकों की तीव्रता 7 से ज्यादा
- तुर्किये में 30 मिनट में लगातार 3 बड़े भूकंप आए
- 100 साल बाद आया इतना खतरनाक भूकंप, 10 हजार लोग मर सकते है

अडाणी पर संसद में चर्चा से सरकार डरी: राहुल गांधी

लोकसभा-राज्यसभा आज तक के लिए स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों में सोमवार को भी जमकर हंगामा हुआ। एक तरफ विपक्ष इस पर चर्चा कराने की मांग पर अड़ा रहा, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने देशभर में LIC और SBI के ऑफिस के बाहर अडाणी ग्रुप के वित्तीय लेनदेन की जांच संसदीय पैनल (JPC) या सुप्रीम कोर्ट की कमेटी से करवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। हंगामे के बीच सोमवार को दोनों सदनों की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि सरकार अडाणी पर संसद में बहस नहीं चाहती। सरकार डरी हुई है। मोदीजी पूरी कोशिश करेंगे कि अडाणी पर संसद में बहस नहीं हो। मैं 2-3 साल से यह मुद्दा उठा रहा हूं। अडाणी के पीछे कौन सी शक्ति है। यह सामने आना चाहिए। उधर, सुप्रीम कोर्ट ने नई याचिका दाखिल कर रिटायर्ड जज की अगुआई में अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट की जांच कराने की मांग की गई है।

बाजार खुलते ही अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 5% गिरे

अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट पब्लिश होने के बाद से अडाणी ग्रुप के शेयरों में भी लगातार गिरावट देखी जा रही है। रिपोर्ट 24 जनवरी को आने के बाद से अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 13 दिन में करीब 55% टूट चुके हैं। कंपनी के शेयर्स में सोमवार सुबह 5% की गिरावट आई। हालांकि बाद में शेयर में रिकवरी दिखी और ये केवल 2% गिरकर 1,554 रुपए पर बंद हुआ। उधर, ब्रिटिश लेंडर स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने मार्जिन लोन पर कोलेटरल के रूप में अडाणी ग्रुप के बॉन्ड को लेना बंद कर दिया है। इससे पहले सिटीग्रुप और क्रेडिट सुइस बैंक भी ऐसा कर चुका है।लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने अडाणी मामले में चर्चा की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। दोनों सदनों के स्पीकर्स ने सांसदों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद दोनों सदनों की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। इसके बाद जब दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू हुई तो फिर हंगामा हुआ। इसके बाद कार्यवाही को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। कांग्रेस समेत 15 विपक्षी पार्टियों ने संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने धरना दिया। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार आम लोगों के पैसे का इस्तेमाल अपने दोस्तों की मदद के लिए कर रही है। विपक्ष की मांग है कि सरकार इस मुद्दे पर संसद में चर्चा होने दे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज विपक्षी नेताओं के साथ बैठक की। इसमें कांग्रेस, DMK, NCP, BRS, JD(U), SP, CPM, CPI, केरल कांग्रेस, JMM, RLD, RSP, AAP, IUML, RJD और शिव सेना मौजूद रहे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मीटिंग में TMC मौजूद नहीं रही। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा- पूरा विपक्ष एक साथ आएगा, चर्चा होगी और फैसला होगा। ये सिर्फ कांग्रेस मुद्दा नहीं है, बल्कि भारत के आम लोगों का मुद्दा है। विपक्ष का कहना है कि संसद में और कोई मुद्दा नहीं उठेगा। उधर, UP में मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने अडाणी जीएमआर के स्मार्ट प्रीपेड मीटर टेंडर को निरस्त कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, अडाणी ट्रांसमिशन ने सबसे कम बोली लगाई थी।

संक्षिप्त समाचार

सिर्फ अपना पेट भरना ही धर्म नहीं: मोहन भागवत

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जाति भगवान ने नहीं बनाई है, जाति पंडितों ने बनाई जो गलत है। भगवान के लिए हम सभी एक हैं।

हमारे समाज को बांटकर पहले देश में आक्रमण हुए, फिर बाहर से आए लोगों ने इसका फायदा उठाया। उन्होंने कहा कि संत रोहिदास हमेशा धर्म के अनुसार कर्म करने की सीख दी। वे कहते थे पूरे समाज को जोड़ो, समाज के उन्नति के लिए काम करना ही यही धर्म है। बस अपने बारे में सोचना और पेट भरना ही धर्म नहीं है। भागवत रविवार को मुंबई में संत रोहिदास जयंती पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

चाकू से डरा रहे शख्स को पुलिस ने मारी गोली

बेंगलुरु। कर्नाटक के कलबुर्गी में पुलिस ने एक आरोपी पर ओपन फायरिंग कर घायल कर दिया। घटना रविवार शाम की है, जब फजल भगवान नाम का आरोपी सरेआम धारदार हथियार से लोगों पर हमले की धमकी दे रहा था।

आरोपी ने पुलिस पर भी हमले की कोशिश की। जिसके बाद पुलिस ने उसपर गोली चला दी। घायल फजल को पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया और फिर उसे गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, पुलिस ने आरोपी की पूरी डिटेल शेयर नहीं की है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। साथ ही ये भी पता लगाया जा रहा है कि हमले की पीछे उसकी मंशा क्या थी।

एशिया की सबसे बड़ी हेलिकॉप्टर फैक्ट्री का उद्घाटन

पीएम मोदी ने कर्नाटक के तुमकुरु में की शुरुआत, रक्षामंत्री राजनाथ भी मौजूद

एजेंसी

बेंगलुरु। PM नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कर्नाटक के तुमकुरु में HAL की हेलिकॉप्टर फैक्ट्री का उद्घाटन किया। यह एशिया की सबसे बड़ी हेलिकॉप्टर फैक्ट्री है। यहां 20 साल में 1000 से अधिक हेलिकॉप्टर बनेंगे। इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथसिंह भी मौजूद रहे। PM ने लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर का अनावरण भी किया। इसके पहले PM मोदी ने बेंगलुरु में इंडिया एनर्जी वीक 2023 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले तुर्कीये में आए भूकंप में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की संवेदनाएं तुर्कीये के साथ हैं। PM ने सोलर एनर्जी से चलने वाले कुकिंग सिस्टम, बायो फ्यूल और अनबॉटल्ड ड्रेस को भी लॉन्च किया। इसके बाद एनर्जी इंडिया वीक में आए इन्वेस्टर्स से कहा कि भारत निवेश के लिए दुनिया में सबसे बेहतर जगह है। यह एनर्जी वीक 8 फरवरी तक चलेगा।

कैप्टन की सांसद पत्नी परनीत कौर ने कांग्रेस को दिया जवाब

अमृतसर। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की सांसद पत्नी परनीत कौर ने कांग्रेस डिसिप्लिनरी कमेटी को अपना जवाब भेज दिया है। सांसद ने अपने जवाब में लिखा कि पार्टी छोड़ने वाले मुझसे सवाल कर रहे हैं। पार्टी एक्शन लेने के लिए पूरी तरह से आजाद है।

दो दिन पहले ही उन्हें डिसिप्लिनरी कमेटी की तरफ से शोकॉज नोटिस भेजा गया था। इस पर परनीत कौर ने कमेटी के तारिक अनवर को जवाब देते हुए लिखा कि वह खुद हैरान हैं। 1999 में सोनिया गांधी को विदेशी कह कर पार्टी छोड़ने वाले, 2019 तक 20 साल तक पार्टी से दूर रहने वाले और जिन्हें खुद डिसिप्लिनरी एक्शन से गुजरना पड़ा था, आज डिसिप्लिनरी मैटर पर उनसे सवाल पूछ रहे हैं। सांसद परनीत कौर ने कहा कि वह हमेशा अपने हलके और पंजाब के लिए खड़ी रही हैं। सत्ता में रहने वाली सरकार के सामने पंजाब की दिक्कतों को वह उठाती रहीं।

सुप्रीम कोर्ट को मिले 5 नए जज

4 फरवरी को केंद्र ने अपॉइंटमेंट की मंजूरी दी थी

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में 5 नए जजों की नियुक्ति हो गई है। CJI डीवाई चंद्रचूड़ ने सोमवार सुबह 5 जजों कों सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीश के रूप में शपथ दिलाई। SC के नए जज के रूप में शपथ लेने वाले तीन चीफ जस्टिस जस्टिस पंकज मिथल, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस पीवी संजय कुमार हैं। इसके अलावा दो जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, जस्टिस मनोज मिश्रा का नाम भी शामिल है। पांच जजों की शपथग्रहण के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में अब जजों की संख्या 32 हो गई है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद 4 फरवरी को केंद्र ने शीर्ष कोर्ट में पांच जजों की नियुक्ति को मंजूरी दी थी। खुद कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्विटर पर इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा- भारत के संविधान के तहत राष्ट्रपति ने हाईकोर्ट के पांच जजों को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति किया है। मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं। पांचों जज 6 फरवरी को शपथ लेंगे। जिस कॉलेजियम पर यह पूरा विवाद हो रहा है, वह हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति और ट्रांसफर की प्रणाली है। कॉलेजियम के सदस्य जज ही होते हैं। वे प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को नए जजों की नियुक्ति के लिए नामों का सुझाव भेजते हैं। मंजूरी मिलने के बाद जजों को अपॉइंट किया जाता है। देश में कॉलेजियम सिस्टम साल 1993 में लागू हुआ था। कॉलेजियम में 5 सदस्य होते हैं। CJI इसमें प्रमुख होते हैं। इसके अलावा 4 मोस्ट सीनियर जज होते हैं। अभी इसमें 6 जज हैं।

मुशर्रफ अभिशाप थे तो, BJP ने युद्धविराम क्यों किया: थरूर

मैं ऐसे भारत में पला, जहां मरने वालों के लिए अच्छी बातें की जाती हैं: शशि थरूर

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के निधन पर रविवार को कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर ने ट्वीट कर शोक व्यक्त किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी पोस्ट पर भाजपा ने निशाना साधा है। थरूर ने भाजपा से सोमवार को इसे लेकर सवाल किया कि अगर मुशर्रफ सभी देशभक्त के लिए अभिशाप थे, तो 2003 में भाजपा सरकार ने उनके साथ युद्धविराम पर बात क्यों की थी, और 2004 के वाजपेयी-मुशर्रफ ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर क्यों किए थे। क्या तब मुशर्रफ को एक विश्वसनीय शांति साथी के रूप में नहीं देखा गया।दरअसल, थरूर ने मुशर्रफ के निधन पर पोस्ट की थी जिसमें उन्होंने लिखा था- पूर्व पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ का दुर्लभ बीमारी से निधन हो गया। कभी भारत के कट्टर शत्रु रहे मुशर्रफ 2002-2007 के बीच शांति के लिए असली ताकत बन गए थे। उन दिनों मैं उनसे संयुक्त राष्ट्र में सालाना मुलाकात करता था। इससे पहले भी थरूर ने एक ट्वीट कर कहा था- मैं ऐसे भारत में पला-बढ़ा हूं, जहां यह उम्मीद की जाती है कि वे मरने वाले व्यक्ति के बारे में अच्छी बातें कहें। मुशर्रफ एक कट्टर दुश्मन थे और कारगिल के लिए जिम्मेदार थे, लेकिन उन्होंने 2002-7 में भारत में शांति के लिए काम किया। वह हमारे मित्र नहीं थे, लेकिन उन्होंने शांति में रणनीतिक लाभ देखा। मुझे वो स्मार्ट, आकर्षक लगते थे। उनकी रणनीतिक सोच बहुत स्पष्ट थी। थरूर की पोस्ट पर भाजपा ने तीखी आलोचना की। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने थरूर पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पोस्ट कांग्रेस की सोच को बहुत अच्छी तरह से दर्शा रही है। कांग्रेस के एक पूर्व विदेश राज्य मंत्री को लगता होगा कि एक पाक जनरल जिसने आतंक फैलाया, पीठ में छुरा घोंपा और हर अंतरराष्ट्रीय नियम का उल्लंघन कर हमारे सैनिकों को प्रताड़ित किया, वह शांति की वास्तविक ताकत बन गया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि मुशर्रफ करगिल युद्ध के साजिशकर्ता, तानाशाह, जघन्य अपराधों के आरोपी थे। उन्होंने तालिबान और ओसामा को भाई और हीरो माना था और जिन्होंने अपने ही सैनिकों के शवों को वापस लेने से इनकार कर दिया था, कांग्रेस की ओर से से उनकी प्रशंसा की जा रही है! आश्चर्य हो रहा है? कांग्रेस की पाकिस्तान परस्ती फिर सामने आई है।

दिल्ली में मेयर चुनाव तीसरी बार टला

10 नॉमिनेटेड मेंबर्स को वोट की मंजूरी के बाद हंगामा, सुप्रीम कोर्ट जाएगी AAP

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में मेयर चुनाव तीसरी बार टल गया है। MCD की अध्यक्षता कर रहे सत्य शर्मा ने सोमवार को कहा कि उप-राज्यपाल ने जिन 10 मेंबर्स को नॉमिनेट किया है, वो वोट डाल सकेंगे। 10 नॉमिनेटेड मेंबर्स को वोट की मंजूरी मिलने के बाद भाजपा और AAP के मेंबर्स ने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद MCD सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इससे पहले 6 और 24 जनवरी को भी चुनाव नहीं हो पाए थे। भाजपा ने LG वीके सक्सेना से सत्र फिर से बुलाने के लिए 10 फरवरी की तारीख की सिफारिश की थी, जबकि AAP पार्टी ने 3, 4 और 6 फरवरी का सुझाव दिया था। LG ने AAP का सुझाव मानते हुए सदन के सत्र के लिए 6 फरवरी तारीख तय की थी। जानकारी के मुताबिक, एक बार फिर AAP सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रही है। सदन स्थगित होने के बाद AAP ने भाजपा पर निशाना साधा। पार्टी नेता आतिशी ने कहा कि भाजपा की मंशा साफ नजर आ रही है कि पार्टी मेयर का चुनाव नहीं करवाना चाहती है। भाजपा बेईमानी से MCD पर सरकार बना कर बैठी है। दूसरी तरफ केंद्रीय मंत्री मिनाक्षी लेखी ने कहा कि दिल्ली को एक भ्रष्ट मुख्यमंत्री मिला है, जिसका नाम लगातार शराब घोटाले में आ रहा है। इसी पैसे का इस्तेमाल कर उन्होंने गोवा में और फिर मेयर चुनाव लड़ने की कोशिश की। इन्होंने भाजपा के 9 पार्षदों को पद और पैसे का लालच दिया। AAP ने मेयर के लिए शैली ओबेरॉय और भाजपा ने रेखा गुप्ता को मैदान में उतारा है। ऐसे में राजधानी को एक महिला मेयर मिलना तय है। भाजपा सांसद हंसराज हंस ने दावा किया कि मेयर भाजपा का ही होगा। MCD चुनाव के बाद सदन की पहली बैठक 6 जनवरी को हुई थी, लेकिन हंगामे के कारण मेयर का चुनाव नहीं हो पाया था। वहीं, डिप्टी मेयर के लिए AAP ने मोहम्मद इकबाल और BJP ने कमल बागड़ी को उम्मीदवार बनाया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भारतीय-अमेरिकी साझेदारी

बीते सप्ताह वाशिंगटन डीसी में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और उनके अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन के बीच क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी यानी आईसीईटी पर हुई पहली बातचीत वक्त की जरूरतों के अनुरूप ही है। भारत और अमेरिका के बीच इस सहयोग की शुरुआत मई, 2022 में टोक्यो में आयोजित क्वाड शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की घोषणा के बाद की गई है। दरअसल, चीन की तकनीक संचालित विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं की पृष्ठभूमि में भारत व अमेरिका रणनीतिक प्रौद्योगिक साझेदारी व रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने के बारे में गंभीर पहल कर रहे हैं। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस से जारी बयान में कहा गया है कि दोनों ही देश आपसी विश्वास से सुरक्षित प्रौद्योगिकी के जरिये पारिस्थितिकी तंत्र के अनुरूप कदम उठा रहे हैं। विश्वास व्यक्त किया गया है कि यह सहयोग दोनों देशों के लोकतांत्रिक मूल्यों व संस्थानों को और मजबूती देगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मौजूदा चुनौतियों के बीच खुफिया, निगरानी व टोही अभियान रक्षा तैयारियों का अभिन्न हिस्सा हैं। जो भारत व अमेरिका के बीच तीन अरब डॉलर के अत्याधुनिक ड्रोन सौदे के शीघ्र मूर्त रूप दिये जाने की आवश्यकता दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि इसके क्रियान्वयन पर पिछले पांच वर्ष से काम चल रहा है। निस्संदेह, ये ड्रोन वास्तविक नियंत्रण रेखा तथा हिंद महासागर में निगरानी तंत्र को मजबूत करने में सहायक होंगे, खासकर उन इलाकों में जहां चीन अपनी ताकत दिखाता रहा है। उल्लेखनीय है पिछले दिनों अमेरिका के सीमा क्षेत्र में उड़ने वाले चीनी निगरानी गुब्बारे को लेकर खासा विवाद हुआ, जिसे बाद में अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने जमींदोज कर दिया। दरअसल, इसी निगरानी गुब्बारे प्रकरण के विरोध में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपनी बीजिंग यात्रा भी स्थगित कर दी थी। ऐसे साम्राज्यवादी चीन के पड़ोसी होने के कारण भारत को राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर किसी तरह की ढिलाई नहीं करनी चाहिए। पिछले दिनों हिंद महासागर व श्रीलंका के तट पर चीन के एक खुफिया समुद्री जहाज को लेकर भी खासा विवाद हुआ था। जिसको लेकर चीन का दावा था कि वह जहाज समुद्री क्षेत्रों में अनुसंधान के कार्य में लगा हुआ है। भारत ने श्रीलंका के बंदरगाह पर इस चीनी पोत के रुकने पर आपत्ति व्यक्त की थी, लेकिन उसके बावजूद श्रीलंका सरकार ने उसे अपने बंदरगाह पर रुकने की अनुमति दे दी थी। निस्संदेह, जैसे-जैसे युद्ध हाइटैक होते जा रहे हैं, भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेलीकॉम टेक्नोलॉजी, हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, जेट इंजन के को-प्रोडक्शन, सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन बनाने और व्यावसायिक स्पेस लॉन्च जैसे क्षेत्रों में अमेरिकी सहयोग बढ़ाने की जरूरत महसूस हो रही है। निस्संदेह, ऐसा करके भारत साम्राज्यवादी चीन के मंसूबों का दमदार तरीके से प्रतिवाद करने में सक्षम बन पायेगा। इससे भारतीय सेनाओं का आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। निस्संदेह, एक बड़ी भू-राजनीतिक चुनौती का मुकाबला अमेरिका व भारत समान रूप से कर रहे हैं।

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में बजा भारत का डंका

भारत की ओर से भी केंद्र सरकार के कुछ मंत्री एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों के कुछ मुख्य कार्यपालन अधिकारी इस बैठक में शामिल हुए। हर्ष का विषय है कि भारत में लागू की गई आर्थिक नीतियों की इस वैश्विक मंच पर बहुत तारीफ की गई। वैश्विक स्तर पर कई देश विशेष रूप से कोरोना महामारी के बाद से एवं रूस यूक्रेन युद्ध के बाद से जिस प्रकार की आर्थिक समस्याओं से अभी भी जूझ रहे हैं, ऐसे माहौल में भी विश्व की कुछ सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में केवल भारतीय अर्थव्यवस्था ही वैश्विक पटल पर एक दैदीप्यमान सितारे के रूप में चमक रही है।

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

स्विजरलैंड के दावोस नामक स्थान पर दिनांक 16 जनवरी से 20 जनवरी 2023 तक विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम) की 43वीं वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया था। विश्व आर्थिक मंच एक गैरलाभकारी अंतरराष्ट्रीय स्वतंत्र संस्था है जो निजी एवं सरकारी संस्थानों के बीच सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से काम करती है। विश्व आर्थिक मंच की प्रतिवर्ष होने वाली बैठक में विश्व के तमाम बड़े राजनेता, बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, संस्कृति और समाज के क्षेत्र में कार्य करने वाले विशिष्ट व्यक्ति भाग लेते हैं। इस बैठक में वैश्विक एवं क्षेत्रीय स्तर पर आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, पर्यावरण, राजनैतिक, औद्योगिक, आदि क्षेत्रों से सम्बंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाती है एवं इन समस्याओं का हल निकालने का प्रयास किया जाता है। विश्व आर्थिक मंच को लगभग 1000 सदस्य कम्पनियों, विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों जिनका टर्नओवर 5 अरब डॉलर से अधिक होता है, द्वारा विभिन्न आयोजनों के लिए फण्ड उपलब्ध कराया जाता है। दावोस में आयोजित वर्ष 2023 की बैठक में चर्चा हेतु मुख्य विषय चुना गया था बटें हुए विश्व में सहयोग की भावना जागृत करना।

भारत की ओर से भी केंद्र सरकार के कुछ मंत्री एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों के कुछ मुख्य कार्यपालन अधिकारी इस बैठक में शामिल हुए। हर्ष का विषय है कि भारत में लागू की गई आर्थिक नीतियों की इस वैश्विक मंच पर बहुत तारीफ की गई। वैश्विक स्तर पर कई देश विशेष रूप से कोरोना महामारी के बाद से एवं रूस यूक्रेन युद्ध के बाद से जिस प्रकार की आर्थिक समस्याओं से अभी भी जूझ रहे हैं, ऐसे माहौल में भी विश्व की कुछ सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में केवल भारतीय अर्थव्यवस्था ही वैश्विक पटल पर एक दैदीप्यमान सितारे के रूप में चमक रही है। विशेष रूप से न केवल कोरोना महामारी से भारत ने बहुत ही व्यवस्थित एवं सहज तरीके से निपटने में सफलता पाई है बल्कि इसके तुरंत बाद ही अपनी अर्थव्यवस्था को तेजी से पटरी पर लाने में भी सफलता पाई है। विश्व आर्थिक मंच को यूनाइटेड नेशन के सेक्रेटरी जनरल श्री गुटेरस ने अपने विशेष उदबोधन में बताया कि विश्व इस समय कुछ टुकड़ों में बंटा हुआ दिखाई दे रहा है एवं एक तरह से पूरा विश्व ही आज आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है, ऐसे समय में विश्व के विभिन्न देशों के बीच सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता है। कई देशों में मंदी की आहट सुनाई दे रही है एवं आगे आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास की दर धीमी पड़ने की सम्भावना बहुत बढ़ गई हैं। प्रत्येक नागरिक के लिए अपने जीवन निर्वहन की लागत लगातार बढ़ती जा रही है एवं करोड़ों नागरिकों के लिए तो यह असहनीय स्तर तक पहुंच गई है। वैश्विक स्तर पर सप्लाई चैन की परेशानियां, विशेष रूप से कोरोना महामारी के बाद से, बहुत बढ़ गई हैं। इसी प्रकार, एनर्जी संकट, मुद्रा स्फीति, मंदी की आहट, ब्याज दरों का लगातार बढ़ते जाना कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिन्हें तुरंत हल करना आवश्यक है। पर्यावरण का संकट भी मुंह बाए खड़ा है, ग्रीन हाउस गैस का विस्तार लगातार तेजी से अभी भी हो रहा है तथा दीर्घकालीन विकास लक्ष्य (सस्टेनेबल डेवेलपमेंट गोल्स) और समस्त देशों की, वैश्विक तापमान में केवल 1.5 डिग्री की वृद्धि होने देने पर, प्रतिबद्धता की ओर अभी तक विशेष रूप से विकसित देशों का ध्यान नहीं जा रहा है। यदि समय रहते समस्त देशों ने इस अति गम्भीर रूप लेती समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया तो बहुत सम्भव है कि इस समस्या को फिर हम हल ही नहीं कर पाएंगे और एक अनुमान के अनुसार वैश्विक तापमान में 2.8 डिग्री की वृद्धि दृष्टिगोचर होगी, इसे विश्व सहन ही नहीं कर पाएगा। इसी प्रकार, कुछ देशों के बीच आपसी झगड़े युद्ध का रूप ले रहे हैं, यह बहुत चिंता का विषय है। रूस यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के कारण कई देशों में अनाज, फर्टिलायजर एवं एनर्जी की उपलब्धता पर बहुत विपरीत प्रभाव पड़ा है। दावोस में ही एक अन्य कार्यक्रम में वैश्विक सलाहकार संस्था अर्नस्ट एंड यंग (ई वाय) ने एक विशेष प्रतिवेदन ﬂइंडिया एट 100ﬁ रीयलाईजिंग द पोटेंशियल आफ 26 ट्रिलियन डॉलर इकानोमीﬂ नाम से जारी कर बताया है कि कोरोना महामारी, रूस यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध एवं वैश्विक आर्थिक संकट के बीच भी, भारत के अमृत काल के दौरान, वर्ष 2047 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 26 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। शीघ्र ही, वर्ष 2028 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं वर्ष 2036 में 10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। उक्त रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2047 में प्रत्येक भारतीय की प्रति व्यक्ति वार्षिक औसत आय 15,000 अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगी, ये आज के स्तर से 7 गुना से भी अधिक है। वर्ष 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था जर्मनी और जापान की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगी। दरअसल भारत में भारी क्षमताएं मौजूद हैं और आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक प्रगति पूरे वैश्विक आर्थिक मंच को प्रभावित करने जा रही है।

पर्यावरण में सुधार के क्षेत्र में भी पूरे विश्व में केवल भारत ही कुछ गम्भीर प्रयास करता हुआ दिखाई दे रहा है। पूरे विश्व में उत्सर्जन वृद्धि के चलते जलवायु में भारी परिवर्तन महसूस किया जा रहा है। विकसित देशों ने आर्थिक प्रगति को गति देने के उद्देश्य से प्राकृतिक संसाधनों का अतिदोहन किया है, जिससे उत्सर्जन वृद्धि अत्यधिक मात्रा में हो रही है। उत्सर्जन वृद्धि को नियंत्रित करने के उद्देश्य से वैश्विक स्तर पर कई उपाय किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। परंतु, विकसित देश जिन्हें इस ओर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिए वे कम रूचि ले रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भारत इस क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने उत्सर्जन वृद्धि को कम करने के उद्देश्य से बहुत पहले (2 अक्टोबर 2015 को) ही अपने लिए कई लक्ष्य तय कर लिए थे। इनमें शामिल हैं, वर्ष 2030 तक वर्ष 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 30 से 35 प्रतिशत तक कम करना (भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को अब 45 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है), गैर-जीवाश्म आधारित ऊर्जा के उत्पादन के स्तर को 40 प्रतिशत तक पहुंचाना (भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को अब 50 प्रतिशत तक बढ़ा लिया है) और वातावरण में कार्बन उत्पादन को कम करना, इसके लिए अतिरिक्त वन और वृक्षों के आवरण का निर्माण करना, आदि। इन संदर्भों में अन्य कई देशों द्वारा अभी तक किए गए काम को देखने के बाद यह पाया गया है कि जी-20 देशों में केवल भारत ही एक ऐसा देश है जो पेरिस समझौते के अंतर्गत तय किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करता दिख रहा है। जी-20 वो देश हैं जो पूरे विश्व में वातावरण में 70 से 80 प्रतिशत तक उत्सर्जन फैलाते हैं। जबकि भारत आज इस क्षेत्र में काफी आगे निकल आया है एवं इस संदर्भ में पूरे विश्व का नेतृत्व करने की स्थिति में आ गया है। भारत ने अपने लिए वर्ष 2030 तक 550 त्न्ड्ड सौर ऊर्जा का उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत ने अपने लिए वर्ष 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर बंजर जमीन को दोबारा खेती लायक उपजाऊ बनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। साथ ही, भारत ने इस दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर संधि करते हुए 88 देशों का एक समूह बनाया है ताकि इन देशों के बीच तकनीक का आदान प्रदान आसानी से किया जा सके।

आज का राशीफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव - 2023 : मुगालतों का मुकाबला

- आनन्द पुरोहित

इन्दौर (ईएमएस)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को मुगालता हैं, कि वे फिर बहुमत से सरकार बनाने जा रहे हैं, तो पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी मुगालते में ताल ठोक दंभ से कह रहे कि ... बदलाव की बयार नया साल नई सरकार, उनको मुगालता है कि हमारी सरकार बन रही है शत प्रतिशत। ..... शिवराज सिंह चौहान को मुगालता यह भी है कि पार्टी फेस बदलने की इतनी आशंकाओं के बाद भी उनके ही नेतृत्व में आगामी विधानसभा चुनाव फेस करेगी क्योंकि बीजेपी हाइकमान का एक धड़ा इस मुगालते में है कि, शिवराज के फेस को ही प्रोजेक्ट कर बीजेपी बहुमत ले आएगी .... तो एक धड़ा एंटी इन्कबसी की आशंका और पिछले चुनावों की न भूल पाने वाली अप्रत्याशित बड़बोलेपन की हार के साथ फेस चेंज का मुगालता पाले जीत की संभावना तलाश रहा है .... उधर कांग्रेस में फेस चेंज का लफड़ा ही नहीं है.... क्योंकि कमलनाथ को रिप्लेस करने के मुगालते में कोई नहीं है, और रही बात हाइकमान की,... तो कांग्रेसी अभी भी राहुल गांधी को ही अपना हाईकमान समझने का मुगालता लिए हुए है, हालांकि वहां मजबूरी भी है, क्योंकि कोई आप्शन भी तो नहीं है..... खड्गे साहब पता ही नहीं कहा खड़क रहे हैं,..?? राहुल गांधी इस मुगालते में कि उनकी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मध्यप्रदेश में उमड़ी भीड़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को जिताएंगी।.....

मध्यप्रदेश के इन दोनों प्रमुख प्रतिद्वंद्वी दलों और उनके शीर्ष नेताओं के मुगालतो के उलट मध्यप्रदेश के अपकमिंग विधानसभा चुनाव में केजरीवाल की आप पार्टी, तो अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी सहित मायावती की बहुजन समाजवादी पार्टी और मध्यप्रदेश की अन्य छोटी बड़ी राज्य स्तरीय पार्टियों को भी उलटफेर कर सरकार बनाने या बनवाने की स्थिति में आने का मुगालता है।....

केजरीवाल की आप पार्टी ने मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में कुछ कर गुजरने के मुगालते में अपनी प्रदेश इकाई को ही भंग कर दिया और उसे पुनर्गठित करने की एक्सरसाइज शुरू कर दी है, वो हाल ही में सम्पन्न हुए गुजरात चुनाव में अपनी दख़ल अंदाजी को मुगालते में अपनी सफलता मान रही है, और इसके चलते ही मध्यप्रदेश में भी बेहतर प्रदर्शन करने का मुगालता पाल रही है, और सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी..... तो अखिलेश यादव मुगालते में बाबा साहेब अंबेडकर की जन्मस्थली महू से चौदह अप्रैल को हुंकार भरने की तैयारी में है, बयान जारी कर वे कह चुके हैं कि समाजवादी पार्टी मध्यप्रदेश में सभी सीटों पर चुनाव लड़ेंगी, शायद उन्हें यह भी मुगालता है कि उन्हें इतने केडींडेट आसानी से मिल जाएंगे। ...... मायावती अपने पुराने मोहरों को एक बार फिर चुनावी बिसात के काले सफेद घरों में जमाते हुए सरकार बनवाने में दखल अंदाजी का या सरकार बनाने वालो को प्रभावित करने का मुगालता देख रही है, वह कांग्रेस से नाराज़ मुस्लिम वोटों को अपनी और मिलाने के मुगालते में है, उसे सम्पूर्ण मध्यप्रदेश तो नहीं पर उत्तर प्रदेश से लगती बार्डर क्षेत्रों में बढ़त का मुगालता है।..... वहीं मध्य, मध्यप्रदेश में जयस तो छत्तीसगढ़ सीमा से लगे क्षेत्रों में, समाजवादी से पूर्व विधायक रहे सुनीलम दखल देते बहुमत का मुगालता पालने वालों के मुगालते को दूर करने का मुगालता पाले हुए हैं। ..... बचती गुजरात राजस्थान बार्डर तो जहां गुजरात बार्डर के आदिवासियों को बीजेपी संघ के जरिए साधने के मुगालते में निश्चित हो रही तो कांग्रेस अपने पुराने घिसेपिटे आदिवासी नेताओं को घिस घिसकर चमकाते खोये वर्चस्व प्राप्त करने के मुगालते में है । राजस्थान बार्डर पर कांग्रेस गेहलोत सरकार के चलते मुगालते में बेफिक्र तों भाजपा करणी सेना की फितरत से उंहापोह के मुगालते में है।..... दलीय नेताओं उम्मीदवारों के अलावा निर्दलीय भी बेतहाशा मुगालता पाले हुए हैं.... खत्म होते कांग्रेस के जनाधार और सत्ता के अहंकार में डूब बड़बोली होती बीजेपी .... के बीच स्थानीय मतदाताओं से अपने जीवंत सम्पर्क को आधार बना निर्दलीय भी नामांकन कर जीतने का मुगालता संजोए हुए है पिछली बार चार आए थे इस बार चालीस आ जाए तो कोई अजरज नहीं क्योंकि गत चुनाव में नोटा ने भी कई जीतने वाले नेताओं को उनकी हैसियत और अपनी अहमियत बताते हार चटवा उनके मुगालते दूर कर दिए थे और इस बार तो दोनों ही प्रमुख प्रतिद्वंद्वी दलों में बागियों के मुगालते भी बुलंद हो रहे हैं। पार्टी और नेताओं से इतर मतदाता भी विधानसभा चुनाव में अच्छो अच्छो का मुगालता दूर करने का मुगालता पाले हुए हैं, पिछले चुनाव में भी शिवराज सिंह चौहान जो कि अपनी प्रदेश मामा वाली इमेज को भुनाते फिर आने के मुगालते में माई के लालों को भी चैलेंज दे गये थे, तब उनके मुगालते को बहुमत के बार्डर पर लाकर उन्हें पानी पिला दिया था,.... वहीं कांग्रेस को बहुमत की बार्डर जस्ट पार करा चार कदम पर ही रोक सरकार में बिठा उलटफेर का मुगालता पाल लिया था, लेकिन पाला बदल नेताओं ने मतदाताओं के उस मुगालते को पंद्रह महीने में ही दूर कर दिया था..... हालांकि मतदाता उसको भुला नहीं है, और इस बार फिर किस किस के मुगालते दूर करता है, वो तो इवीएम की बीप के बाद अंगुली की स्याही फीकी पड़ने के पहले पता चल ही जाएगा। और इन सबसे अलग मीडिया भी मुगालते में है, मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव यदि तय समय पर हो तो तकरीबन आठ महीने बाकी हैं परन्तु कुछ मीडिया पर्सन लगे पड़े हैं अभी से जनता की नब्ज टटोलने कि आज चुनाव हो तो कौन जीतेगा, कुछेक तो सर्वे भी कर रहे अभी से, अब पता नहीं ये भाई लोग कौनसा मुगालता पाले हैं, करें मीडिया में है और इतनी समझ नहीं कि वर्तमान समय में एक इन्सिडेट पूरी कायनात पलटने का सबब बन सकता है, आठ महीने में तो कुछ भी अदला बदली हो सकती है पर मीडिया वालों को कौन समझाए कुछ लेनदेन का भी मुगालता हो सकता है, वहां तो खैर छोड़िए ....

बाकी इस बार के मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में एक बात तो तय है कि, चुनाव के पहले भी और बाद में भी, कइयों के मुगालते दूर होने हैं ये पक्का है। हालांकि यह अपना मुगालता है।

विचार मंथन

जाती ही नहीं, जीवों की जन्म मृत्यु भी भगवान के अधीन

(लेखक - सनत जैन)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने संत रविदास जयंती के मौके पर एक अच्छी बात कही, उन्होंने कहा जाति भगवान ने नहीं बनाई है, बल्कि, पंडितों ने बनाई है। भगवान ने हमेशा बोला है कि मेरे लिए सभी मनुष्य एक हैं। उनमें कोई भी जाति और वर्ण नहीं है। मोहन भागवत ने जो सत्य कहा है उसे अर्ध सत्य कहा जा सकता है। सनातन धर्म और भागवत गीता में भगवान कृष्ण ने स्पष्ट रूप से कहा है। कर्म का फल किसी को स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है। कर्म अच्छा हो या बुरा, समय आने पर ही फल मिलेगा। भगवान कृष्ण ने कहा कर्म किए जा फल की चिंता मत कर। सनातन और हिंदू धर्म की शाखाओं में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है। कर्म के फल के आधार पर ही सभी जीवो के जन्म होते हैं। मृत्यु पर भी भगवान का अधिकार है। इसे कोई भी व्यक्ति किसी एक दूसरे को प्रभावित नहीं कर सकता है। यह बात हिंदू और सनातन धर्म के मानने वाले लोगों को समझना कोई मुश्किल काम नहीं है।खेल-खेल में बच्चा पैदा होता है, सोच समझ के बच्चा भी पैदा नहीं किया जा सकता है। बच्चे को भी नहीं मालूम होता है कि उसका माता-पिता कौन बनेगा। उसका धर्म क्या होगा। जो माता-पिता उस बच्चे को जन्म देते हैं, उन्हें भी नहीं मालूम होता है कि उनके घर पर लड़का पैदा होगा या लड़की होगी, होगी तो कब होगी। ईश्वर के विधान को समझें तो सब लोग अपने-अपने कर्म के फल भाग्य के रुप में भोग रहे हैं। 84 लाख योनियों में सभी जीव कर्म के फल के आधार पर जन्म और मृत्यु को प्राप्त करते हैं। कर्मफल ही जीव का भाग्य है। हर योनि में कर्म फल के अनुसार फल प्राप्त होता है। यदि एक कुत्ते की योनि में भी जन्म है। यदि उसका पालन पोषण एक राज परिवार में हो रहा है और वह राजा का प्रिय है, तो उस योनि में भी पुण्य कर्म के कारण उसे परम सुख की प्राप्ति होती है। अनादि काल से सत्ता प्राप्त करने के लिए, श्रेष्ठता अहंकार और आत्म संतुष्टि के लिए हम समय-समय पर वर्ण व्यवस्था, जाति व्यवस्था, शैव-वैष्णव, बम्हा, हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध इत्या दि करते रहे हैं। जो निश्चित रूप से कर्म फल की सत्ता अर्थात भगवान की सत्ता को नकारते हुए जब-जब कोई स्वयं ईश्वर बनने की कोशिश करने लगता है, तभी दुनिया में प्रलय आता है। लोग एक दूसरे को मारने लगते हैं। पुरुषार्थ केवल मनुष्य ही कर पाता है। क्योंकि मनुष्य जीवन के अलावा और कभी यह शक्ति किसी अन्य जीव के पास नहीं होती है। मनुष्य जीवन के पुराषार्थ का फल ही कर्म फल बनता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ मोहन भागवत ने जो बात कही है, वह सत्य है। सनातन और हिंदू परंपरा के संवाहक हैं। उनमें सारी समझ भी है। लेकिन कहीं ना कहीं वह भी दृग भ्रमित होते हुए नजर आ रहे हैं। डॉ. भगवत एक वृहद संगठन का संचालन करते हैं। उसके लिए उन्हें वह दृष्टि प्राप्त नहीं हो सकती है, जो एक निर्विकल्प साधु-संत को प्राप्त होती है। बिना किसी लोभ, क्रोध, मोह, माया और हानि का ख्याल किए बिना जब हम अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं। वही धर्म माना गया है। भगवान कृष्ण ने महाभारत काल की युद्ध भूमि में अर्जुन को इस ज्ञान से परिपूर्ण किया था, तभी वह अपने ही रिश्ते के लोगों को मारने में सफल हो पाए। धर्म धारण करना, आचरण की वस्तु है। जब तक आचरण में हम धर्म के मूल गुणों को शामिल नहीं करेंगे, तब तक हमें धार्मिक कहलाने का हक भी नहीं है। यदि सभी धर्मों का अध्ययन करें, तो सभी के मूल गुण लगभग-लगभग एक ही हैं। लेकिन उन धर्म को मानने वाले लोग उसे आचरण में शामिल नहीं करते हैं। धार्मिक और जाति व्यवस्था में तो अब जाति और धर्म के आधार पर ही जन्म हो रहा है। ऐसी स्थिति में मात्र पंडितों को दोषी ठहरा देना या किसी धर्म को दोषी ठहरा देना, मेरे ख्याल से उचित नहीं है। सनातन धर्म करोड़ों वर्ष पुराना है। श्रुति के माध्यम से एक पीढ़ी, दूसरी पीढ़ी को सनातन के ज्ञान से अनवरत शिक्षित करती रही है। हजारों वर्ष पूर्व लेखन आया है, उसके बाद कई भाषाओं में ग्रंथ लिखे गए। समय के अनुसार उनको लिखने वाले उनकी व्याख्या बदलते रहे हैं। लेकिन मूल गुणों में कोई परिवर्तन संभव नहीं होता है।यहां यह कहने में भी संकोच नहीं है, भारत में धर्म विशेष की आड़ में सत्ता के लिए मुगलों को लेकर एक धर्म विशेष के लोगों पर निशाना साधा जा रहा है। ऐसी स्थिति में कृपया यह चिंतन करें, कि जब 1000वीं शताब्दी में सैकड़ों की संख्या में लुटेरे आए थे, उन्होंने राजाओं को लूटा, राज सत्ता पर कब्जा कर लिया। लेकिन पब्लिक ने अपने ही हिंदू राजाओं का साथ नहीं दिया। क्योंकि वह अपने होते हुए भी अपनों का ही उत्पीड़न कर रहे थे। जो लुटेरे आए थे, वह संख्या में बहुत कम थे। उन्होंने आम जनता का उत्पीड़न कम किया। उनकी बेहतरी के बारे में सोचा, उनका उत्पीड़न पहले की तुलना में कम किया, तो जनता ने उन्हें स्वीकार कर लिया। यह भी विचार करना होगा कि 1400 साल पुराना इस्लाम धर्म है। 2000 साल पुराना क्रिस्चियन धर्म है। इससे पुराना बौद्ध धर्म है। आज दुनिया में सबसे बड़ी आबादी क्रिस्चियन धर्म मानने वालों की है। उसके बाद इस्लाम धर्म के मानने वाले लोगों की संख्या है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबार दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतो के साथ ही बिकवाली हावी होने के अलावा रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी (एमपीसी) बैठक शुरु होने के बाद बाजार गिरा है। बाजार में आज धातु, उर्जा और आईटी शेयरों में जमकर बिकवाली। इसके अलावा दवा और वाहन शेयरों पर भी दबाव आया हालांकि मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बढ़त रही। वहीं पीएसई, पीएसयू बैंक और रियल्टी इंडेक्स में मामूली तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 334.98 अंक करीब 0.55 फीसदी टूटकर 60,506.90 के स्तर पर बंद हुआ है। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई (निफ्टी) 89.45 अंक तकरीबन 0.50 फीसदी फिसलकर 17,764.60 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं गत दिवस बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। बीएसई में कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर आज नुकसान के साथ ही 266.59 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा गया। यह इसके पिछले कारोबारी दिन शुक्रवार 3 फरवरी को 266.72 लाख करोड़ रुपये पर था। इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकर तकरीबन 13 हजार करोड़ रुपये घटा है। एस प्रकार निवेशकों को 13 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

सोमवार के कारोबार में डेविस लेबोरेटरीज, हिंडाल्का, जेएसडब्लयू स्टील, टाटा स्टील और कोटक महिन्द्रा बैंक निफ्टी के शेयर नुकसान में रहे जबकि अडानी पोर्ट , इंडसडंड बैंक, बीपीसीएल, हीरो मोटा कोप और अपोलो अस्पताल निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। वै श्विक बाजार के दबाव में आज घरेलू निवेशकों ने बाजार खुलते ही बिकवाली और मुनाफावसूली शुरू कर दी। पिछले सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी ने बड़ी बढ़त के साथ कारोबार का समापन किया था, लेकिन इस सप्ताह के पहले कारोबारी सत्र में ही नुकसान दिखा। घरेलू निवेशकों का सेंटिमेंट निगेटिव बना रहा है। रिजर्व बैंक की एमपीसी बैठक की बैठक आज शुरु हुई। यह बैठक 8 फरवरी को मॉनेटरी पॉलिसी की घोषणा के साथ ही समाप्त होगी।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपये में गिरावट आई है। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 65 पैसे नीचे आकर 82.73 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशों में डॉलर के मजबूत होने से रुपये में ये कमी आई। बाजार जानकारों के अनुसार विदेशी कोषों से लगातार निकासी और कच्चे तेल की कीमतों के बढ़ने से भी रुपये पर दबाव आने से ये गिरा है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.35 पर खुला और कारोबार के दौरान यह 82.76 अंक के निम्न स्तर पर पहुंचने के बाद अंत में अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 65 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.73 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 82.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 फीसदी बढ़कर 103.16 पहुंच गया।

सोने और चांदी की कीमतें गिरीं

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतें गिरी हैं। दुनिया भर के बाजारों में गिरावट से यह प्रभाव पड़ा है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतें गिरीं। दस ग्राम सोने की कीमतें कम होकर 57,155 रुपये पहुंच गयी हैं। वहीं एक किलो चांदी के दाम भी घटे हैं और अब यह 68,133 रुपये में बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 574 रुपये की हानि के साथ ही 57,155 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 57,729 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसी तरह चांदी की कीमत भी 2,113 रुपये की गिरावट के साथ 68,133 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बंद हुई। दूसरी ओर विदेशी बाजारों में सोने के दाम गिरावट दिखाते हुए 1,875 डॉलर प्रति औंस रह गये जबकि चांदी 22.48 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में गिरावट का सिलसिला जारी

नई दिल्ली । अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में गिरावट का सिलसिला सोमवार को भी जारी रहा। सोमवार को शुरुआती कारोबार में अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 9.50 प्रतिशत नीचे आ गया। बीएसई पर अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 1,597.95 रुपए पर खुलने के बाद और गिरकर 1,433.60 रुपए पर आ गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 9.50 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। बाद में यह 6.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1480.65 रुपए पर कारोबार कर रहा था। अडानी टोटल गैस, अडानी पावर, अडानी ग्रीन एनर्जी और अडानी विल्मर के शेयर बीएसई पर 5 प्रतिशत के नुकसान में कारोबार कर रहे थे। वहीं अडानी ट्रांसमिशन 10 प्रतिशत नीचे आ गया। दूसरी ओर, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 501.50 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इसके अलावा अडानी समूह से जुड़ी अन्य कंपनियों अंबुजा सीमेंट्स में 3.28 प्रतिशत, एसीसी में 0.82 प्रतिशत और एनडीटीवी में 4.98 प्रतिशत की गिरावट आई। अमेरिका की शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में गौतम अडाणी की अगुवाई वाले समूह पर धोखाधड़ी वाले लेनदेन और शेयर की कीमतों में हेरफेर का आरोप लगाया था। उसके बाद से समूह की कंपनियों के शेयरों में गिरावट का सिलसिला शुरू हो गया। हालांकि, अडाणी समूह ने इन आरोपों को झूठा बताते हुए कहा है कि वह सभी कानूनों और खुलासा अनिवार्यताओं को पूरा करता रहा है।

जनवरी में रिकार्ड उच्चतम स्तर पर पहुंचा रूस से कच्चे तेल का आयात

नई दिल्ली । भारत ने रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ा दिया है। जनवरी में रूस से कच्चे तेल का आयात अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। यह लगातार चौथा महीना है जब रूस से कच्चे तेल का आयात पारंपरिक आपूर्तीकर्ता मध्य पूर्व के देशों से अधिक रहा है। यह रूस की ओर से कच्चे तेल की खरीद पर बाजार के मुकाबले भारतीय तेल कंपनियों को दिए जा रहे डिस्काउंट के कारण संभव हो पाया है। कार्गो परिवहन पर नजर रखने वाली वार्टेक्सा के आंकड़ों के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले भारत के कच्चे तेल आयात में रूस का हिस्सा एक प्रतिशत से भी कम था, जो कि अब बढ़कर 1.27 मिलियन बैरल प्रतिदिन या 28 प्रतिशत हो गया है। अमेरिका और चीन के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल खरीददार देश है। युद्ध के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के कारण रूस को कच्चे तेल बिक्री में मुश्किलों का सामना पड़ा रहा है,जिस कारण रूस अपने कच्चे तेल खरीददारों को डिस्कांउट दे रहा है। इंडिया एनर्जी वीक 2023 में अधिकारियों की ओर से कहा गया कि भारत लगातार अपनी ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखेगा। रूस के अलावा भारत के कच्चा तेल आपूर्ती करने के मामले में इराक, सऊदी अरब, अमेरिका, यूएई और अफ्रीकी देशों का नंबर आता है। बता दें, यूक्रेन से युद्ध के बाद रूस का अधिकतर कच्चा तेल का निर्यात भारत, चीन, और एशियाई देशों को हो रहा है।

मोदी सरकार के एक फैसले के बाद रॉकेट बना वोडाफोन आइडिया का शेयर

नई दिल्ली ।

टेलीकॉम कंपनी के शेयर सोमवार को रॉकेट बन गए हैं। कंपनी के शेयरों में जबरदस्त खरीदारी हो रही है। यह शेयर वोडाफोन आइडिया का है। वोडाफोन आइडिया का शेयर सोमवार के कारोबारी सत्र में 24 प्रतिशत तक उछल गए। कंपनी के शेयरों में यह तेजी सरकार के एक फैसले के बाद देखने को मिल रही है। दरअसल, केंद्र सरकार ने कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया के 16,133 करोड़ रुपये से अधिक के ब्याज बकाया को इक्विटी में बदलने की मंजूरी दे दी। सरकार को 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयर इसी कीमत पर जारी किए जाएंगे। इसके बाद सोमवार को यह शेयर 8.35 रुपये पर पहुंच गए। इससे पहले शुक्रवार को यह शेयर 6.89 रुपये के भाव पर बिक रहा था। बता दें कि वोडाफोन आइडिया ने बताया कि संचार मंत्रालय ने तीन फरवरी, 2023 को एक आदेश पारित किया। इसमें निर्देश दिया कि वह स्पेक्ट्रम नीलामी की किस्तों को टालने से संबंधित ब्याज और एजीआर बकायों को इक्विटी शेयरों मेंबदले, इस भारत सरकार को जारी किया जाएगा। कंपनी को यह राहत सितंबर, 2021 में सरकार द्वारा घोषित सुधार पैकेज के तहत मिली है। वोडाफोन आइडिया ने बताया, इक्विटी शेयरों में परिवर्तित होने वाली कुल राशि 16,133,18,48,990 रुपये है। कंपनी को 10 रुपये फेस वैल्यू के 1613,31,84,899 इक्विटी शेयर जारी करने का निर्देश दिया गया है। इनका इश्यू प्राइस भी 10 रुपये है।

58 अरब डॉलर के नेटवर्थ पर पहुंच चुके अडानी की संपत्ति में हुई बढ़ोतरी

- हिंडनबर्ग के झटकों के बाद धीरे-धीरे कमबैक कर रहे हैं अडाणी, फॉर्ब्स की लिस्ट में 17वें नंबर पर पहुंचे

नई दिल्ली ।

अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ने अडानी समूह को हिला कर रख दिया। अडानी समूह का मार्केट कैप तो गिरा ही खुद गौतम अडानी की संपत्ति भी आधी रह गई। 10 दिनों से अडानी समूह में जारी ये तूफान जारी है। हालांकि अगर गौर से देखें तो गौतम अडानी कमबैक कर रहे हैं। गौतम अडानी फोर्ब्स बिलेनियर्स की लिस्ट में कमबैक कर रहे हैं। अमीरों की सूची में गौतम अडानी जो 58 अरब डॉलर के नेटवर्थ के साथ अमीरों की लिस्ट में 22वें नंबर पर पहुंच गए थे, वो अब धीरे-धीरे कमबैक कर रहे हैं। मौजूदा वक्त में उन्होंने पांच रैंकों की छलांग लगाई है। फॉर्ब्स की लिस्ट में गौतम अडानी 17वें नंबर पर पहुंच गए है। उनकी लिस्ट में गौतम अडानी अब जिम वॉलटन से ऊपर पहुंच गए है। उनकी कुल संपत्ति 61.9 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के कारण गौतम अडानी की संपत्ति लगातार गिर रही थी। हालांकि हफ्ते के खत्म होते-होते इसमें सुधार हुआ। 58 अरब डॉलर के नेटवर्थ पर पहुंच चुके अडानी की संपत्ति में थोड़ी बढ़ोतरी हुई। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर्स लिस्ट के मुताबिक उनकी निजी संपत्ति अब 61.9 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। अगर पिछले 10 दिनों के उनके ग्राफ को देखें तो अडानी का पूरा साम्राज्य हिल गया। जो कभी 127 अरब डॉलर की सपंत्ति के साथ दुनिया के तीसरे सबसे अमीर शख्स थे, वो सीधे 61 अरब डॉलर पर पहुंच गए।गौतम अडानी के दौलत 10 दिनों में आधी रह गई। 24 जनवरी को उनका नेटवर्थ 127 अरब डॉलर था। 25 जनवरी को वो गिरकर 120 अरब डॉलर पर पहुंच गई। 26 जनवरी को वो भी ये 120 अरब डॉलर पर स्थिर रही। 27 जनवरी को अडानी का एफपीओ जारी हुआ था, उस दिन उनका नेटवर्थ गिरकर 98.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अमीरों की सूची में वो सांतवे नंबर पर पहुंच गए। इसके अगले दिन उनकी स्थिति बरकरार रही। अगले दिन 30 नजवरी को उनका नेटवर्थ और गिरा और ये 88.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अगले दिन मामूली तेजी आई और ये 89.1 अरब डॉलर पर

पहुंतच गया। 1 फरवरी को स्थति और बिगड़ गई। गौतम अडानी की निजी संपत्ति में उनकी संपत्ति 89.1 अरब डॉलर से गिरकर 74.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसके साथ ही वो अमीरों की सूची में 15वें नंबर पर पहुंच गए। वहीं अगले दिन 2 फरवरी को उनकी निजी संपत्ति 64.2 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इस सूची के साथ ही वो अमीरों की सूची में और नीचे खिसकर 16वें नंबर पर पहुंच गए। 3 फरवरी को उनका नेटवर्थ 58 अरब डॉलर पर पहुंच गया और वो अमीरों की सूची में 22वें नंबर पर पहुंच गए।

जनवरी में देश में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री में 14 प्रतिशत का उछाल

फाडा ने सोमवार को इसकी जानकारी दी

मुंबई ।

यात्री वाहनों, दोपहिया और ट्रैक्टरों के मजबूत पंजीकरण के कारण जनवरी में देश में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 14 प्रतिशत बढ़ी। वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। जनवरी, 2023 में विभिन्न श्रेणियों में वाहनों की कुल बिक्री बढ़कर 18,26,669 इकाई पर पहुंच गई। जनवरी, 2022 में वाहन बिक्री का आंकड़ा 16,08,505 इकाई रहा था। बीते माह यात्री वाहनों का पंजीकरण 22 प्रतिशत बढ़कर 3,40,220 इकाई पर पहुंच गया। एक साल पहले समान अवधि में यात्री वाहनों का पंजीकरण 2,79,050 इकाई रहा था। इसी तरह, टू-व्हीलर वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले माह बढ़कर 12,65,069 इकाई हो गई, जबकि जनवरी, 2022 में यह आंकड़ा 11,49,351 इकाई रहा था। इस तरह दोपहिया वाहनों की बिक्री में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन अवधि में तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 59 प्रतिशत बढ़कर 41,487 इकाई पर पहुंच गई। वहीं वाणिज्यिक वाहनों का पंजीकरण 16 प्रतिशत बढ़कर 82,428 इकाई पर पहुंच गया। जनवरी, 2022 में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 70,853 इकाई रही थी। इस तरह ट्रैक्टर बिक्री पिछले महीने आठ प्रतिशत बढ़कर 73,156 इकाई हो गई। जनवरी, 2022 में यह आंकड़ा 67,764 इकाई रहा था।

टोयोटा ने ग्लैंज़ा की कीमत में की 12 हज़ार की बढ़ोतरी, 6.66 लाख रुपए हुई शुरुआती कीमत

नई दिल्ली । ट्योटा मोटर्स ने अपनी प्रीमियम हैचबैक टोयोटा ग्लैंज़ा की कीमत में इज़ाफा किया है। कंपनी ने इस हैचबैक की कीमत को 12000 रुपए तक बढ़ा दिया है। यह हालांकि इससे पहले ग्लैज़ा के पेट्रोल वेरिएंट की कीमत को 7000 रुपए और सीएनजी वेरिएंट को 2000 तक बढ़ाया गया है। कीमत बढ़ोतरी के बाद अब ग्लैंज़ा की शुरुआती कीमत 6.66 लाख रुपए हो गई है। इस हैचबैक को मार्च 2022 में 6.39 लाख की कीमत में लॉन्च किया गया था। यह मॉडल मारुति सुजुकी बोलेनो का रिवाइज्ड वर्जन है। रिवाइज्ड वर्जन के चलते इसमें कई सारे बदलाव किए गए हैं। इसके केबिन में 7-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ एंड्रायड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले क्नेक्टिविटी, आई-कनेक्ट सपोर्ट, डिजिटल वाइस असिस्टैंट आदि को शामिल किया गया है। टोयोटा ग्लैज़ा में 1.2 लीटर के-सीरीज़ पेट्रोल इंजन शामिल है, जो 77एचपी की पावर और 13 एनएम का टॉर्क जेनरेट कर सकता है। इंजन को 5-स्पीड गियरबाक्स के साथ जोड़ा गया है।

इंफोसिस में 600 लोगों को नौकरी से निकाला

मुंबई ।

दुनिया भर की कई टेक कंपनियां में कर्मचो रियों की छंटनी की जा रही हैं। अब भारत की दूसरी बड़ी सॉफ्टवेयर सर्विस प्रोवाइडर इंफोसिस में भी छंटनी की खबर आ रही है। कंपनी ने इंटरनल फ्रेशर एसेसमेंट टेस्ट में फेल रहने के बाद सैकड़ों नए कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रेशर्स के लिए एक एसेसमेंट टेस्ट रखा गया था, जिसे पास न करने वाले कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। हालांकि, कंपनी की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। अगस्त 2022 में कंपनी में शामिल हुए एक फ्रेशर ने बताया` कि मैंने पिछले साल अगस्त में इंफोसिस में काम करना शुरू किया था और मुझे सेप एबीएपी स्ट्रीम के लिए ट्रेनिंग दी गई थी। मेरी टीम के 150 में से केवल 60 लोगों ने फ्रेशर एसेसमेंट परीक्षा पास किया था, बाकी हम सभी को 2 हफ्ते पहले टर्मिनेट कर दिया गया था। पिछले बैच जुलाई 2022 में ऑनबोर्ड किए गए फ्रेशर्स के 150 फ्रेशर्स में से टेस्ट में फेल होने के बाद लगभग 85 फ्रेशर्स को टर्मिनेट किया गया था। सूत्रों के मुताबिक इंफोसिस ने इंटरनल टेस्ट में फेल होने पर 600 कर्मचारी को नौकरी से निकाल दिया है। 2 सप्ताह पहले फ्रेशर एसेसमेंट टेस्ट में फेल होने के बाद 208 फ्रेशर्स को निकाल दिया गया था। पिछले कुछ महीनों में कुल मिलाकर लगभग 600 फ्रेशर्स को फ्रेशर एसेसमेंट टेस्ट में फेल होने के बाद नौकरी से` निकाला गया। हाल ही में इंफोसिस ने अपने तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। कंपनी ने कहा था कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ 3.2 प्रतिशत बढ़कर 5,360 करोड़ रुपए हो गया जो बाजार के अनुमान से कम है। एक साल पहले की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 5,195 करोड़ रुपए रहा था।

फोर्ड से अधिग्रहीत साणंद संयंत्र एक-डेढ़ साल में होगा शुरू: टाटा मोटर्स

नई दिल्ली ।

घरेलू वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए अमेरिकी कंपनी फोर्ड से अधिग्रहीत साणंद विनिर्माण संयंत्र का अगले 12-18 महीनों में वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने की तैयारी में है। टाटा मोटर्स के यात्री वाहन कारोबार प्रमुख शैलेश चंद्रा ने विश्लेषकों के साथ चर्चा में कहा कि कंपनी ने गुजरात के साणंद स्थित फोर्ड संयंत्र का अगले एक-डेढ़ साल में परिचालन शुरू करने का लक्ष्य रखा है। टाटा मोटर्स ने हाल ही में अपनी अनुषंगी टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड (टीपीईएमएल) के जरिए इस संयंत्र का अधिग्रहण पूरा किया है। इस अधिग्रहण में 726 करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ है। फोर्ड के भारत से अपना कारोबार वर्ष 2021 में समेटने के बाद से तीन लाख वाहनों की उत्पादन क्षमता वाले साणंद संयंत्र में कामकाज ठप पड़ा हुआ है। इस दौरान टाटा मोटर्स ने अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए इस संयंत्र का अधिग्रहण करने का मन बनाया। फोर्ड का यह संयंत्र साणंद में स्थित टाटा मोटर्स के मौजूदा संयंत्र से सटा हुआ है। टाटा मोटर्स इसे अपने मौजूदा एवं भावी वाहनों के मंच के अनुरूप ढालने के लिए जरूरी निवेश भी करेगी। उन्होंने कहा कि कंपनी की मौजूदा उत्पादन क्षमता करीब 50,000 वाहन मासिक की है। हम अपने दो मौजूदा संयंत्रों में भी 10-15 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। इसके अलावा फोर्ड संयंत्र की क्षमता को भी बढ़ाकर 4.2 लाख इकाई सालाना किया जा सकता है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि टाटा मोटर्स के वाहनों को बीएस-6 उत्सर्जन मानकों के सख्त दूसरे चरण के अनुरूप ढालने का काम तेजी से जारी है। सरकार ने इसके लिए एक अप्रैल, 2023 की समयसीमा तय की हुई है।

कैमरा लैंस जैसे कुछ पुर्जों पर कस्टम ड्यूटी में होगी कटौती

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट के दौरान की घोषणा

नई दिल्ली।

कैमरा लैंस जैसे कुछ पुर्जों पर कस्टम ड्यूटी में कटौती की जाएगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट के दौरान स्मार्टफोन के कुछ पार्ट्स और आयात पर सीमा शुल्क में राहत की यह घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने बैटरियों के लिए लीथियम-आयन सेल पर लगने वाले रियायती शुल्क को एक और साल के लिए बढ़ा दिया है।इसका मतलब यह है कि आने वाले वित्त वर्ष में भारत में बनने वाले ऐपल के आईफोन सस्ते हो सकते हैं। अब तक सेल्युलर मोबाइल फोन के कैमरा मॉड्यूल के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कैमरा लेंस और उसके इनपुट/पार्ट्स पर कस्टम ड्यूटी 2.5 फीसदी थी। बता दें कि ऐपल भारत में आईफोन का प्रॉडक्शन तेजी से बढ़ा रही है और रिपोर्ट्स की मानें तो भारत जल्द ही चीन को पछाड़ कर दुनिया का सबसे बड़ा ऐपल आईफोन निर्माता बन सकता है।

कुछ महीने पहले ऐपल ने भारत में फ्लैगशिप आईफोन 14 मॉडल का निर्माण भी शुरू किया था। भारत में ऐपल ने आईफोन का उत्पादन 2017 में आईफोन से 2 के साथ शुरू किया था। वर्तमान में टेक दिग्गज भारत में आईफोन से, आईफोन 12, आईफोन 13, आईफोन 14 बनाती है। इस बीच ऐपल अपने आगामी आईफोन 15 पर काम कर रही है। यह एक फ्लैगशिप फोन है, जिसे 2023 में लॉन्च किया जाएगा। यह फोन ऐप्पल ए14 बायोनिक चिपसेट से लैस होगा। इसमें 8जीबी की रैम का सपोर्ट, 6.1 इंच का डिस्प्ले और डुअल कैमरा सेटअप मिल सकता है। कंपनी फोन में डुअल कैमरा सेटअप दे सकती है।

देश की वित्तीय प्रणाली को खतरा नहीं: उदय कोटक

मुंबई ।

देश के दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी के ग्रुप को कुछ ही दिनों में भारी नुकसान झेलना पड़ा है। इस नुकसान पर आरबीआई ने सभी बैंकों से रिपोर्ट मांगी है। देश के बड़े बैंक एक के बाद एक अपनी रिपोर्ट फाइलिंग कर रहे हैं। कोटक महिंद्रा बैंक के चेयरमैन उदय कोटक ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि वह भारत की ` वित्तीय प्रणाली के लिए कोई जोखिम नहीं देखते हैं। पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में अडानी ग्रुप के शेयर में काफी उथल-पुथल देखी गई है। कोटक महिंद्रा बैंक के चेयरमैन ने अडानी ग्रुप के शेयर में आए उतार-चढ़ाव की ओर इशारा करते हुए कहा कि उन्हें हाल के घटनाक्रमों से भारत के फाइनेंशियल सिस्टम के प्रति कोई जोखिम नहीं दिखाई दे रहा है। बैंक के चेयरमैन उदय कोटक ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर यह जानकारी दी है। उन्होंने किसी ग्रुप का नाम लिए बिना कहा कि एक बड़े भारतीय कॉर्पोरेट्स की कर्ज और इक्विटी फाइनेंस के लिए वैश्विक स्रोतों पर ज्यादा निर्भरता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल जैसी लीग के लिए आया सौरव गांगुली का बयान, कहा- ये बंद होगी

कोलकाता (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने सोमवार को कहा कि खिलाड़ियों का टी20 लीग को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर तरजीह देना ज्यादा लंबे समय तक टिकने वाला नहीं है क्योंकि भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत कुछ ही लीग चल सकेंगी। दुनिया भर में टी20 लीग की बढ़ती संख्या के बीच अब खिलाड़ी देश के लिये खेलने पर फ्रेंचाइजी क्रिकेट को तरजीह देने लगे हैं। बिग बैश लीग के बाद अब यूएई और दक्षिण अफ्रीका में लीग हो रही है। इसके अलावा साल के आखिर में अमेरिका में भी एक लीग की योजना है।

गांगुली ने स्पोर्टस्टार के एक कार्यक्रम में कहा कि हम दुनिया भर में हो रही लीग के बारे में बात करते रहते हैं। आईपीएल बिल्कुल अलग तरह की लीग है। आस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग भी अच्छा कर रही है और इसी तरह ब्रिटेन में द हंड्रेड ने अच्छा किया। दक्षिण अफ्रीका लीग भी अच्छा कर रही है। उन्होंने कहा कि ये सभी लीग उन देशों में हो रही है जहां क्रिकेट लोकप्रिय है। मेरा मानना है कि आने वाले चार पांच साल में कुछ ही लीग बची रहेंगी और मुझे पता है कि वे कौन सी होंगी। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि फिलहाल हर खिलाड़ी नयी लीग से जुड़ना चाहता है लेकिन आने वाले समय में उन्हें पता चल जायेगा कि कौन सी महत्वपूर्ण है। ऐसे में देश के लिये खेलने को लीग क्रिकेट पर तरजीह दी जायेगी। उन्होंने क्रिकेट प्रशासन की अहमियत पर जोर देते हुए जिम्बाब्वे का उदाहरण दिया जहां प्रशासनिक कारणों से क्रिकेट का पतन हो गया। उन्होंने कहा कि मैं पांच साल बंगाल क्रिकेट संघ का अध्यक्ष रहा और फिर तीन साल बीसीसीआई का अध्यक्ष रहा। मैने आईसीसी में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया और देखा है कि बुनियादी ढांचे और सहयोग से ही खेल संभव है। गांगुली ने कहा कि मैने पहला विश्व कप 1999 में खेला। जिम्बाब्वे उस समय किसी को भी हरा सकता था। उस समय जिम्बाब्वे क्रिकेट के पास ज्यादा पैसा नहीं था। भारत के पास भी नहीं था। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज के पास माइकल होल्डिंग, एंडी रॉबटर्स या जोएल गार्नर के समय में कहां पैसा था। खिलाड़ियों के लिये अच्छा प्रशासन बहुत जरूरी है। पैसा कोई मसला नहीं है। खिलाड़ियों और प्रशासकों के बीच अच्छे संबंध होने से कई समस्यायें सुलझ जाती है।

तेजस्विन ने विश्व चैम्पियन को हराकर जीता 'गोल्ड मेडल'

बोस्टन (एजेंसी)। भारतीय ऊंची कूद के एथलीट तेजस्विन शंकर ने यहां पूर्व विश्व चैम्पियन और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता डोनाल्ड थॉमस की कड़ी चुनौती से पार पाते हुए न्यू बैलेंस इंडोर ग्रां प्री में शीर्ष स्थान हासिल किया। दिल्ली में जन्में 24 साल के तेजस्विन ने 2.26 मीटर की कूद लगाकर पहला स्थान प्राप्त किया।

वहीं 2007 विश्व चैम्पियनशिप और 2010 राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता बहामा के थॉमस (38 साल) 2.23 मीटर की कूद लगाकर दूसरे स्थान पर रहे। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल 2022 के कांस्य पदक विजेता शंकर ने पहले चार प्रयासों में 2.14, 2.19, 2.23 और 2.26 मीटर की कूद लगायी। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ आउटडोर कूद 2.29 मीटर की है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड है जबकि इंडोर मीटर में उनकी सर्वश्रेष्ठ कूद 2.28 मीटर की है।

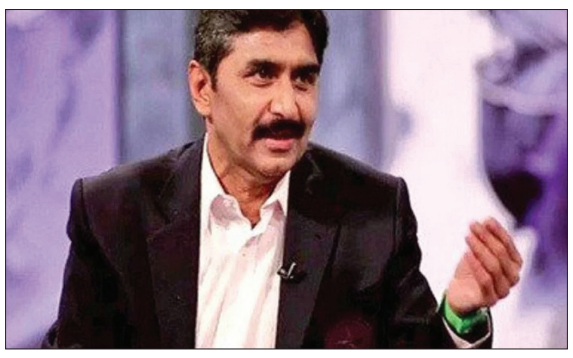

अमेरिका के डेरिल सुलिवान ने सत्र की अपनी सर्वश्रेष्ठ 2.19 मीटर की कूद से चार खिलाड़ियों में तीसरा स्थान हासिल किया। शंकर ने अपने स्वर्ण पदक का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए ट्वीट किया, ''नये साल की शानदार शुरूआत। सत्र की शुरूआती प्रतियोगिता में शीर्ष एथलीट के साथ प्रतिस्पर्धा करने से उत्साहित हूं।'

मियांदाद ने फिर उगला जहर बोले, भारतीय टीम को पाकिस्तान से हारने का लगा रहता है डर

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर निशाना साधा है। मियांदाद ने कहा है कि बीसीसीआई इसलिए अपनी टीम को पाक नहीं भेजती क्योंकि उसे हार का डर लगा रहता है। इससे पहले बीसीसीआई ने कहा था कि टीम एशिया कप 2023 के लिए पाक दौरे पर नहीं जाएगी। इसलिए एशिया कप किसी तटस्थ स्थल पर आयोजित किया जाना चाहिये। बीसीसीआई चाहता है कि एशिया कप 2023 की मेजबानी भले पाक करे पर टूर्नामेंट किसी तटस्थ स्थल पर ही होना चाहिये। वहीं इस पर पीसीबी ने कहा अगर उससे मेजबानी वापस ली गयी तो पाक टीम विश्वकप के लिए भारत दौरे पर नहीं जाएगी।

मियांदाद के अनुसार भारत को पाकिस्तान से खेलने में इसलिए डर लगा है क्योंकि बीसीसीआई को मालूम है कि अगर भारत टीम पाक से हारी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गायब हो जाएंगे, उनकी जनता उनको छोड़ेगी नहीं। मियांदाद ने साथ ही कहा कहा, भारत शारजाह से भाग गया, जब हम वहां जीतने लगे। वह हमने खेलना ही नहीं चाहता था। वहां की जनता अपने खिलाड़ियों के घरों में आग लगा देती थी, जब वह हमसे हार जाते थे। सुनील गावस्कर समेत उनके खिलाड़ियों को हमसे हार पर भारी नुकसान उठाना पड़ता था।

मियांदाद ने कहा, पाकिस्तान से भागने की भारत की पुरानी आदत है। यह कुछ भी नया नहीं है। मैं उन्हें अपने खेलने के दिनों से जानता हूं।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की होने वाली है शुरुआत, भारत-पाकिस्तान के बीच होगा मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का आयोजन दक्षिण अफ्रीका में होने जा रहा है। 10 फरवरी से टूर्नामेंट का आगाज होगा। पहला मुकाबला दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीम के बीच खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी में पहली बार आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का आयोजन किया जाएगा। विश्व कप के मुकाबले केप टाउन, पार्ल और गेकेबेरा में होंगे। विश्व कप के मुकाबले न्यूलैंड क्रिकेट ग्राउंड, सैंट जॉर्ज पार्क क्रिकेट ग्राउंड और बोलार्ड पार्क में खेले जाएंगे।

इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 26 फरवरी को केप टाउन में होगा, जिसके बाद विश्व विजेता टीम दुनिया को मिल जाएगी। इससे पहले सेमीफाइनल मुकाबले 23 फरवरी और 24 फरवरी को होंगे। इस वर्ष महिला टी20 विश्व कप जीतने की प्रबल दावेदारों में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम और डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया है। इस बार विश्व कप में कुल 10 टीमें हिस्सा ले रही है। सभी टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है और हर ग्रुप में पांच टीमें है।

हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। सेमीफाइनल में जीत हासिल करने वाली टीमों के बीच फाइनल मुकाबला 26 फरवरी को खेला जाएगा।

इन ग्रुप में बंटी है टीमें

ग्रुप 1 - बांग्लादेश, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, साउथ अफ्रीका

ग्रुप 2 - भारत, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, पाकिस्तान, आयरलैंड

भारत पहुंचे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ख्वाजा ने कहा , अश्विन से मिलेगी कठिन चुनौती

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत पहुंचे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने कहा है कि चार टेस्ट मैचों की सीरीज में उनकी टीम के लिए अनुभवी स्पिनर आर अश्विन का सामना करना सबसे कठिन होगा। ख्वाजा वीजा मिलने में देरी के कारण अब भारत पहुंचे हैं। पिछले कुछ समय में वह बल्लेबाजी में सफल रहे हैं। इस दौरे में वह सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। ख्वाजा ने कहा, क्रिकेट में कोई गारंटी नहीं है पर कम से कम इस बार हमारी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अधिक परिपक्वता है। हमने पिछले एक दशक में बहुत कुछ सीखा है, विशेष रूप से हम किस प्रकार के विकेट प्राप्त कर सकते हैं और हम कैसे सोचते हैं कि हम कैसे प्रदर्शन कर सकते हैं और बाहर जा सकते हैं और यहां टेस्ट मैच जीत सकते हैं। इससे ऐसा लगता है कि हम पहले से बेहतर स्थिति में हैं। हालांकि यह हमेशा कठिन होने वाला है। ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट श्रृंखला से पहले अभ्यास मैच खेलने की जगह स्पिनरों के खिलाफ अभ्यास करना ही बेहतर समझा है। इसके लिए जम्मू कश्मीर सहित एक अन्य स्पिनर को नेट गेंदबाज के तौर पर शामिल किया गया। इससे अंदाजा होता है कि टीम अश्विन और भारतीय स्पिनरों से खेलने को लेकर डरी हुई है। ख्वाजा ने कहा, अश्विन एक बंदूक है। वह बहुत कुशल है, उसके पास बहुत सारे छोटे बदलाव हैं, वह क्रीज का भी काफी अच्छा उपयोग करता है।

धोनी के साथ नजर आये गेल

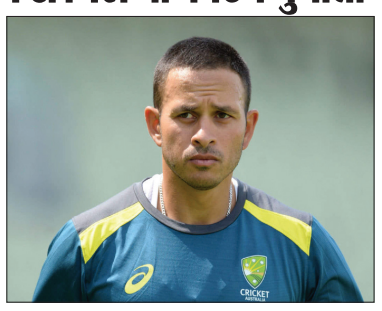

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल की तस्वीरें सोशल मीडिया में आयी हैं। इसमें गेल भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के साथ नजर आये हैं। ये तस्वीरें तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। धोनी अपने अलग अंदाज के कारण ही जाने जाते हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने तीन बार आईसीसी खिताब जीते हैं। धोनी संन्यास के बाद आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की कप्तानी कर रहे हैं। अब प्रशंसक उन्हें एक बार फिर आईपीएल 2023 में खेलते हुए देखना चाहते हैं। धोनी के प्रशंसक दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ी हैं। गेल ने भी अपनी पोस्ट में साफ कर दिया कि धोनी एक लीजेंड हैं। गेल ने धोनी के साथ तीन तस्वीरें साझा की हैं। इसके साथ में उन्होंने लिखा, 'लांग लाइव द लेजेंड्स।' आईपीएल में धोनी इस बार भी सीएसके की कप्तानी करेंगे पर गेल ने इस बार आईपीएल में अपना नाम नहीं भेजा है। ऐसे में इनका मुकाबला देखने को नहीं मिलेगा।

भारतीय जर्सी फिर से पहनने का अवसर मिलने से उत्साहित हूं : जडेजा

नागपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा 9 फरवरी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरु हो रही सीरीज खेलने को लेकर उत्साहित हैं। जडेजा ने कहा कि सर्जरी से उबरने के बाद फिर से भारतीय जर्सी पहनने का अवसर मिलने के कारण वह अपने को भाग्यशाली समझते हैं। जडेजा को घुटने की सर्जरी के कारण पांच माह तक मैदान से दूर रहना पड़ा था। इस चोट के कारण ही जडेजा पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में खेले गए टी20 विश्व कप से भी बाहर थे। जडेजा ने कहा, '' मैं बहुत उत्साहित और खुश हूं कि लगभग पांच महीने के बाद मुझे फिर से भारतीय जर्सी पहनने का मौका मिला है। मैं धन्य हूं कि मुझे फिर से वापसी का अवसर दिया गया हालांकि मेरे यहां तक पहुंचने का सफर कठिन रहा। अगर आप पांच महीने तक क्रिकेट नहीं खेल पाते हैं, तो यह बहुत निराशाजनक हो जाता है। मैं जल्द से जल्द फिट होने का बेसब्री से इंतजार कर रहा था जिससे एक बार फिर देश के लिए खेल सकूं। जडेजा ने कहा कि विश्व कप से पहले या बाद में सर्जरी कराना उनके लिए व्यक्तिगत रूप से एक मुश्किल फैसला था पर अंत में उन्होंने डॉक्टर की सलाह का पालन किया। उन्होंने कहा, ''मुझे घुटने में समस्या थी और मुझे जल्दी या बाद में सर्जरी करवानी थी। लेकिन मुझे यह फैसला लेना था कि यह विश्व कप से पहले होगा या उसके बाद। चिकित्सकों ने भी मुझे विश्व कप से पहले इसे करने की सलाह दी। विश्व कप में मेरे खेलने की संभावना वैसे भी काफी कम थी। इसलिए मैंने अपना मन बनाया और सर्जरी करवा ली। उन्होंने हालांकि कहा कि सर्जरी के बाद की अवधि वास्तव में कठिन थी लेकिन भारतीय जर्सी पहनने की प्रेरणा से उन्होंने इस समय का डटकर सामना किया।

दक्षिण अफ्रीका दौरे से लौटकर सविता ने कहा- अंतरराष्ट्रीय मैचों से मिला आत्मविश्वास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने दक्षिण अफ्रीका दौरे से लौटने के बाद सोमवार को कहा कि हालिया अंतरराष्ट्रीय मैचों ने उनकी टीम को रोमांचक मुकाबलों में आत्मविश्वास और आक्रामकता के साथ खेलने के लिये सक्षम बनाया है।

सविता ने कहा, 'यह साल हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हम एशियाई खेल जीतकर सीधा पेरिस ओलंपिक में पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। पिछली बार हम स्वर्ण जीतने के बहुत करीब आकर जापान से सिर्फ एक गोल से हार गए थे। इस साल हम काफी सकारात्मक हैं। खासकर इसलिए क्योंकि हमें पिछले कुछ सालों में काफी अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिला है और हम काफी ज्यादा आत्मविश्वास और आक्रामकता से खेल सकते हैं।'

सविता की टीम को दक्षिण अफ्रीका दौरे पर मेजबान टीम के खिलाफ तीन मैचों में 5-1, 7-0 और 4-0 से जीत मिली, जबकि चौथा मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। विश्व नंबर एक नीदरलैंड के विरुद्ध हालांकि भारतीय टीम को तीनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा। सविता ने कहा, 'हमने साल की शुरुआत सकारात्मक रूप से की है। हमने दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध तीन जीत और एक ड्रॉ के बाद नीदरलैंड के सामने भी अच्छा खेल दिखाया।

उन्होंने कहा, 'इस दौरे ने हमें एक टीम के रूप में एक दूसरे के साथ बेहतर तालमेल बैठाने में भी मदद की। हमने केप टाउन का भ्रमण किया। वह एक खूबसूरत शहर है और टीम ने इसका आनंद लिया।' भारतीय टीम अब बेंगलुरु के राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण (साई) में 12 फरवरी को शुरू होने वाले राष्ट्रीय शिविर में शामिल होगी। सविता की टीम छह सप्ताह के शिविर में अपनी क्षमताओं और अनुकूलन पर ध्यान देगी। इसके अलावा खिलाड़ी केप टाउन में अपने प्रदर्शन की समीक्षा करने के बाद हॉकी के तकनीकी पहलुओं को भी सुधारने का प्रयास करेंगे।

सविता ने कहा, 'मुख्य कोच जैनेक शॉपमैन एक बार फिर केप टाउन में हमारे प्रदर्शन की समीक्षा करेंगी और हम अपनी कमियों का जायज़ा लेने के लिए व्यक्तिगत एवं टीम बैठक में शामिल होंगे। मुझे लगता है कि एशियाई खेलों से पहले अगले छह महीने बहुत रोमांचक होने वाले हैं। हर खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देकर एशियाई खेलों की टीम में जगह बनाना चाहता है।'

फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज – हम्पी नें एना को हराकर चखा जीत का स्वाद

म्यूनिख , जर्मनी । फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज के चौंथे राउंड में भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी नें लगातार तीन ड्रॉ के बाद आखिरकार पहली जीत दर्ज की । हम्पी नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए उक्रेन की पूर्व रैपिड और ब्लिट्ज विश्व चैम्पियन एना मुजयचूक को पराजित किया । गुन्फ़ील्ड ओपनिंग में हम्पी नें अपने शानदार मिडिल गेम और एंड गेम के दम पर 53 चालों में खेल अपने नाम किया । भारत की दूसरी खिलाड़ी हरिका जर्मनी की एलिज़ाबेथ पैहत्ज़ से अंक बांटते हुए लगातार अपनी चौंथी बाजी ड्रॉ खेली । वहीं रूस की पूर्व विश्व चैम्पियन अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक नें लगातार चौंथी जीत दर्ज करते हुए अपनी एकल बढ़त को और मजबूत कर लिया है , कोस्टेनियुक नें सफ़ेद मोहरो से चीन की तान झोंग्यी को पराजित किया । उक्रेन की मारिया मुजयचूक भी जीतने में कामयाब रही उन्होने चीन की झू जिनर को हराया । अन्य परिणामों में जर्मनी की दिनारा वैगनर नें जॉर्जिया की नाना दगनिडजे से तो पोलैंड की अलीना काशलिनस्काया ने कज़ाकिस्तान की जानसाया अब्दुमालिक से बाजी ड्रॉ खेली । चार राउंड के बाद कोस्टेनियुक 4 अंक पर तो हम्पी , मारिया और नाना 2.5 अंक बनाकर खेल रही है ।

आईसीसी महिला टी20 विश्व जीतने शीर्ष क्रम को करना होगा बेहतर प्रदर्शन : मिताली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली ने कहा है कि भारतीय टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व में जीत दर्ज करने के लिए शीर्ष क्रम के प्रदर्शन पर ध्यान देना होगा। मिताली के अनुसार शीर्ष क्रम अगर अच्छा प्रदर्शन करेगा तो टीम की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। मिताली ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में हो रहे इस टूर्नामेंट में टीम को कठिन हालातों के बीच भी बेहतर खेल दिखाना होगा।

मिताली ने कहा, ''भारत की उम्मीदें काफी हद तक शीर्ष क्रम पर निर्भर करेंगी। स्मृति मंधाना अच्छा खेल रही है और वह एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। कप्तान हरमनप्रीत कौर भी अच्छी फॉर्म में दिख रही है पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पर जीत के लिए अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। भारतीय टीम 12 फरवरी को केपटाउन में टूर्नामेंट के अपने पहले ही मैच में पाकिस्तान से खेलेगी। भारतीय टीम हाल में टीम दक्षिण अफ्रीका में में त्रिकोणीय श्रृंखला में उप विजेता रही थी और इसमें मिले अनुभवों का लाभ भी उसे मिलेगा। मिताली ने कहा कि गेंदबाजी में हमारी टीम में शिखा पांडे को छोड़कर अन्य गेंदबाजों को काफी कम अनुभव है।

मिताली ने कहा, ''गेंदबाजी की परीक्षा होगी और हमें यहीं सुधार करना होगा। इसके साथ ही उन्हें साथ ही उम्मीद है कि अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम में शामिल रहीं शेफाली वर्मा और ऋचा घोष अपने अनुभव का लाभ इस टूर्नामेंट में भी उठाएंगी। मिताली के अनुसार गत विजेता ऑस्ट्रेलियाई टीम इस बार भी प्रबल दावेदार है क्योंकि उसकी बल्लेबाजी काफी अच्छी है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हर कोई यह मानेगा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम बड़ी दावेदार है। मुझे कड़े और प्रतिस्पर्धी मैचों की उम्मीद है। उन्हें हराना इसलिए मुश्किल है क्योंकि उनकी बल्लेबाजी में काफी गहराई है और उनका बल्लेबाजी लाइन अप भी शानदार है। हालांकि मिताली को उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

काल्डास और ऐकमैन बन सकते हैं भारतीय पुरुष हॉकी टीम के नये कोच

नई दिल्ली । अर्जेंटीना के मैक्स काल्डास और नीदरलैंड के सिगफाइड ऐकमैन भारतीय पुरुष हॉकी टीम के नये कोच बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार हॉकी इंडिया इन विदेशी कोचों से संपर्क में बना हुआ है। इससे पहले विश्वकप में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कोच ग्राहम रीड ने अपनी पद से इस्तीफा दे दिया था। वहीं हॉकी टीम के एक अधिकारी के अनुसार हमें टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी पर ऐसा नहीं हुआ। टीम का स्तर पहले से नीचे आया है हालांकि कोच रीड के कार्यकाल में टीम ने ओलंपिक कांस्य हासिल करने के अलावा कई अन्य मुकाबलों में भी टीम को जीत दिलायी थी। इस अधिकारी ने कहा कहा, ''हम दो–तीन उम्मीदवारों के साथ चर्चा में हैं पर इस बात को लेकर ध्यान रहे कि हम सर्वश्रेष्ठ कोच लायेंगे जो भारत को अगले स्तर तक ले जा सके। गौरतब है कि काल्डास के अलावा ऐकमैन भी पद के लिये एक तगड़े दावेदार हैं। इससे पहले वह पाक के भी कोच रहे थे।

ऋषभ पंत को लेकर दिग्गज खिलाड़ी ने दिया बड़ा बयान, कहा- अगर टीम में होते तो उड़ जाती ऑस्ट्रेलिया की नींद

नागपुर (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल का मानना है कि ऋषभ पंत की मौजूदगी से पैट कमिन्स और उनके साथियों की रातों की नींद उड़ जाती लेकिन इसके बावजूद गुरुवार से शुरू होने चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भारत जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। पंत पिछले साल दिसंबर में कार दुर्घटना में चोटिल हो गये थे तथा घुटने और एड़ी के कई आपरेशन करवाने के बाद उन्हें अभी अस्पताल से छुट्टी नहीं मिली है। चैपल ने कहा कि भारत को वास्तव में ऋषभ पंत की कमी खलेगी। आस्ट्रेलियाई टीम खुश होगी। वह जवाबी हमला करने वाला खिलाड़ी है। वह ऐसा खिलाड़ी है जो आपके खिलाड़ियों को सतर्क रखता है, तेजी से स्कोर बनाता है और एक सत्र में मैच का पासा पलट देता है।

चैपल ने इसके साथ ही कहा कि रविचंद्रन अश्विन निश्चित तौर पर सबसे बड़ा खतरा होगा लेकिन आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को उनके खिलाफ सक्रिय रवैया अख्तियार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अश्विन से खतरा क्यों हो सकता है? क्योंकि वह 'स्मार्ट' क्रिकेटर है। अश्विन हमेशा आपके लिए समस्या पैदा करेगा। अब, यदि आप उसे उस तरह से गेंदबाजी करने देते हैं जैसे वह गेंदबाजी करना चाहता है, तो आप परेशानी में पड़ जाओगे। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए खतरा होगा। उन्हें उसके खिलाफ सक्रिय रवैया अपनाना होगा।

चैपल ने कहा कि आपको सक्रिय रवैया अख्तियार करने के बारे में सोचना होगा। अगर आप अपनी शर्तों पर नहीं खेल रहे हैं तो आप परेशानी में रहेंगे। आपको एक-दो रन लेकर स्ट्राइक रोटेट करनी होगी। उसे (अश्विन) तब उस बल्लेबाज के लिए अपनी रणनीति बदलनी होगी। टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले नाथन लियोन जानते हैं कि भारत में कैसे गेंदबाजी करनी है, लेकिन चैपल चाहते हैं कि दाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिये उनकी गेंदें बाहर की तरफ टर्न लें।

उन्होंने कहा कि एक चीज जो लियोन को करनी चाहिए वह दायें हाथ के बल्लेबाजों के लिए गेंद को बाहर की तरफ टर्न कराना। अच्छे ऑफ स्पिनर ऐसा करते है। इससे बल्लेबाजों को ऑफ साइड पर शॉट मारने का मौका मिलता है। ऐसे में जब गेंदबाज फिर से पुरानी रणनीति पर लौटता है तो उसके पास बल्लेबाज को बोल्ड या पगबाधा आउट करने का मौका रहेगा।'' चैपल ने कहा, ''भारत के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे लियोन को अपने ऊपर हावी न होने दें। यदि लियोन भारतीयों पर हावी हो जाता है, तो पैट कमिंस के लिए अपने तेज गेंदबाजों को रोटेट करना आसान हो जाएगा और उन्हें दोनों छोर से तेज गेंदबाजों को गेंदबाजी नहीं करवानी पड़ेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्राथमिकता के आधार पर तैयार करें अपनी कार्य-सूची

आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बेकार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें। व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं, ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए।

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटकें नहीं। जब ड्राइव करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलानें दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं–शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत सकती हैं। लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं।अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना– ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है। सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती। इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं। यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है। संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं। हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढ़कर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय–समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं। इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली की और बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो–चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वहीं होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आपको कोई बेहतरीन आइडिया मिलता है तो आप अपने आप से पूछिए कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागू करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिए।

अच्छा दिखने के लिए मेकअप कर के घर से बाहर निकलना अब जरूरत सा बन गया है, लेकिन मेकअप के सभी उत्पाद आपके लिए अच्छे हो ये कतई जरूरी नहीं है। कुछ ऐसे उत्पाद भी है जो आपको कुछ समय तक सुंदर तो दिखा देते है लेकिन आपकी त्वचा और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते है। आइए, जानते हैं ऐसी ही 5 मेकअप सामग्री के बारे में जिनका इस्तेमाल आपको कम से कम ही करना चाहिए

इन मेकअप प्रोडक्ट्स से रहें दूर

टेलकम पाउडर

टेलकम पाउडर सामान्य तौर पर आपमें से कई लोगों के जीवन का एक अहम हिस्सा होगा। भले ही आप इसे सुरक्षित मानते हों, लेकिन इसमें मौजूद सिलेकेट्स नामक तत्व आपको एलर्जी, फेफड़ों में इंफेक्शन या फिर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का शिकार बना सकता है।

ब्लीच क्रीम

अधिकांश ब्लीच क्रीम में पाया जाने वाला हाइड्रोक्विनोन त्वचा के निकलने, लालिमा या लाल रेशेस अथवा त्वचा के रूखेपन के लिए जिम्मेदार होता है। इसकी जगह त्वचा प्रभावशाली घरेलू उत्पादों का प्रयोग करना बेहतर होगा।

लिप ग्लॉस

होंठों पर चमकदार नमी लाने के लिए प्रयोग किया जाने वाला लिपग्लॉस कुछ ऐसे केमिकल्स से युक्त होता है, जो आपके होंठों की त्वचा को अंदर से रूखा कर सकते हैं साथ ही रोमछिद्रों को ब्लॉक कर सकते हैं।

हेयर कलर

इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स आपके सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा त्वचा का लाल होना और खुजली जैसी समस्याएं भी हो सकती है जो अन्य गंभीर समस्याओं को जन्म देती हैं।

नेल पॉलिश

भले ही अपको रंगीन, चमकीले नेल पॉलिश का शौक हो, लेकिन इनमें मौजूद एसीटोन आपके नाखूनों को दाग या धब्बों से युक्त बनाने के साथ ही कमजोर बनाने में सहायक होता है। इसके लिए हमेशा नेल पॉलिश का इस्तेमाल करने से बचें।

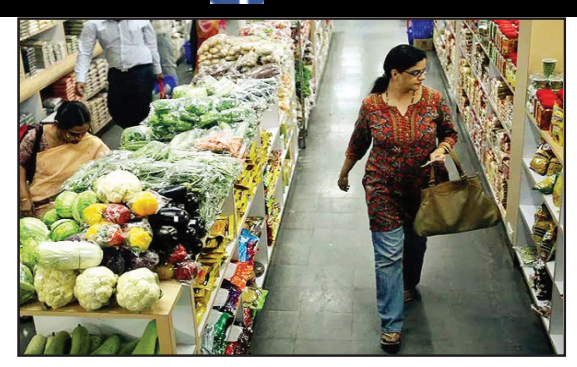

अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

पैसे के बारे में बात नहीं करना

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जातीं। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि , 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारो'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसों को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिलकुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यहीं मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।

बार-बार बिगड़ जाता है घर का बजट तो ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

अपनी बचत और निवेश को ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है। भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए। कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे। अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी बढ़ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

अपने पैसे को अलग–अलग जगह न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।

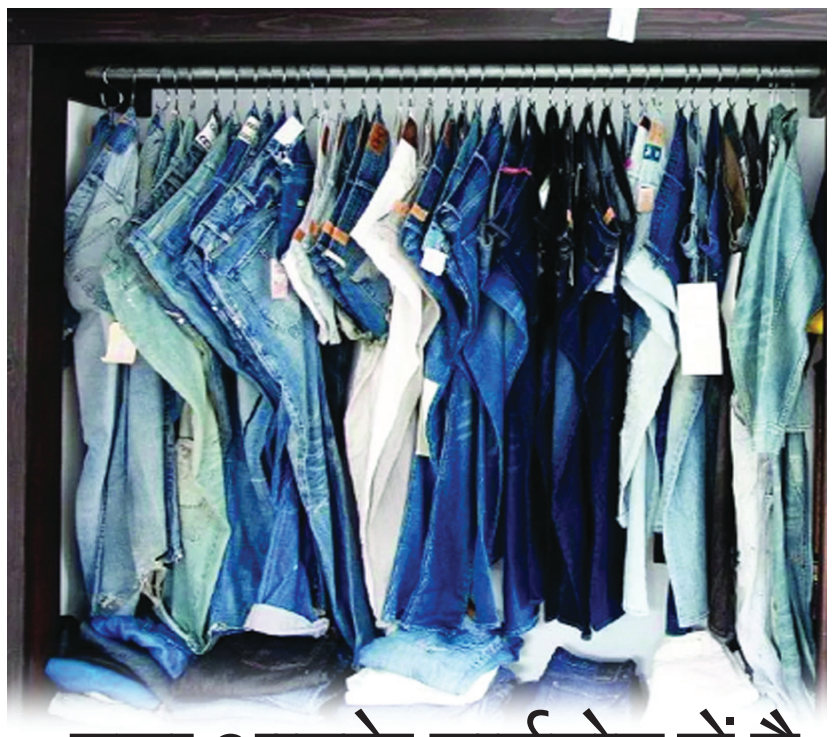

क्या आपके वार्डरोब में है जींस के ये ट्रैंडी कलेक्शन

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रैस है, जो हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी हैं कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी.

रिप्ड जींस

रिप्ड जींस एक दशक से फैशन ट्रैंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रैस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिप्ड जींस न हो। एक दशक पहले ट्रैंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनतीं तो उसे ब्लेड से कट करके रिप्ड जींस का लुक दें सकती हैं। रिप्ड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कंफर्टेबल होती है। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रैंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर है। ट्रैवलिंग के दौरान या कहीं आने–जाने के लिए एक्ट्रैस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग–अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी युनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो–हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही क्लियर है कि ये जींस कैसी होगा। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।

कलर आईलाइनर लगाने से पहले जरूरी टिप्स मिलेगा स्टाइलिश लुक

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लड़कियां मेकअप करना पसंद करती है। वहीं आंखों को बड़ा, आकर्षित दिखाने के लिए आईलाइनर लगाती है। बात अगर आईलाइनर की करें तो आमतौर पर लड़कियां इसमें ब्लैक कलर पसंद करती है। मगर आजकल लड़कियों में कलरफुल आईलाइनर का क्रेज भी बढ़ रहा है। इससे लुक और भी स्टाइलिश नजर आता है। मगर इसे लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान देने की जरूरत होती है। कलर आईलाइनर लगाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मेकअप ना करें

कलर आईलाइनर अक्सर आंखों को हाइलाइट करने के लिए लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के बाद अपना रेगुलर मेकअप ना करें। नहीं तो इससे आपका मेकअप अधिक लगेगा।

सही कलर चुनें

अगर आप पहली बार कलर आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए रंग चुनें। इसके लिए आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, सुनहरा या अपनी ड्रेस से मैचिंग रंग चुन सकती है।

आंखों पर ध्यान दें

कलर आईलाइनर लगाने के लिए बस अपनी आंखों पर फोकस करें। इसके साथ हैवी व बोल्ड मेकअप करने की गलती ना करें। ऐसा करने से आपकी आंखों पर ध्यान नहीं जाएगा।

डार्क कलर अप्लाई करें

अगर आप पहली बार आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए डार्क कलर यूज करें। असल में, इससे आपका लुक एकदम बदल जाएगा। ऐसे में आप पहली बार के लिए ब्राउन या ब्लू कलर चुन सकती है। मस्कारा ब्लैक कलर का लगाएं आप भले ही आईलाइनर कलर्ड चुन रही है मगर इसके साथ मस्कारा ब्लैक ही लगाएं। इससे आपकी आंखों को ग्रेसफुल लुक मिलेगा। इसके साथ ही फेक आईलैशेज लगाने की गलती ना करें।

भारतीय संगीतकार रिकी केज ने तीसरा ग्रैमी अवॉर्ड जीता

वाशिंगटन । यह साल ग्लोबल एंटरटेनमेंट के लिए काफी अच्छा है। साल के पहले महीने जनवरी में ही एस.एस.राजामौली निर्देशित फिल्म आरआरआर के गाने नाटू नाटू को गोल्डेन ग्लोब अवार्ड मिला। वहीं द एलिफेंट व्हिस्पर्स और ऑल दैट ब्रीथ्स की ऑस्कर नॉमिनेशन में एंट्री हुई और अब भारतीय संगीतकार रिकी केज ने तीसरा ग्रैमी अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है। संगीतकार को उनकी एल्बम डिवाइन टाइड्स के लिए ग्रैमी अवॉर्ड से नवाजा गया है, इस बेस्ट इमर्सिव ऑडियो एल्बम कैटेगिरी में नॉमिनेटिड किया गया था। एल्बम डिवाइन टाइड्स रॉक–लीजेंड और पुलिस ड्रमर स्टीवर्ट कोपलैंड का संयुक्त प्रोजेक्ट है। जीत के ठीक बाद अपनी खुशी साझा करते हुए, रिकी ने एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा : बेहद आभारी हूं, मैंने अपना तीसरा ग्रैमी अवॉर्ड जीत लिया है। मीडिया के साथ साझा किए गए एक बयान में, संगीतकार ने कहा- तीसरी बार फिर से संगीत में सबसे बड़ा पुरस्कार जीतना बिल्कुल वास्तविक लगता है। मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे इस उपलब्धि को हासिल कर भारत को गौरवान्वित करने का एक और अवसर मिला।

बांग्लादेश के ठाकुरगांव में रातभर में 14 मंदिरों में की गई तोड़फोड़, पुलिस ने शुरू की जांच

ढाका । बांग्लादेश के ठाकुरगांव जिले के बलियाडांगी उपजिला में अज्ञात बदमाशों ने रातभर में 14 हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इस तोड़–फोड़ के परिणाम को देखने के लिए मंदिरों में उमड़ रहे लोगों में गुस्सा और भय था और सभी मंदिरों में पुलिस तैनात कर दी गई। बलियाडांगी पुलिस थानाध्यक्ष खैरूल अनम ने बताया कि शनिवार रात और रविवार सुबह के बीच क्षेत्र के धंतला, चारोल और पारिया यूनियनों के विभिन्न गांवों में हमले हुए। मंदिरों का निरीक्षण करने वाले पुलिस अधीक्षक मोहम्मद जहांगीर हुसैन ने आईएएनएस को बताया कि पुलिस अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि सांप्रदायिक सद्भाव को नष्ट करने और देश की छवि खराब करने के उद्देश्य से इन मूर्तियों को तोड़ा गया है। हालांकि, घटना के अपराधियों की पहचान अभी तक नहीं की गई है। जिला आयुक्त एम महबूबुर रहमान ने कहा कि जो लोग शहर की शांति और सद्भाव को बिगाड़ने की गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं, उन्हें जल्द ही कानून के दायरे में लाया जाएगा और उन्हें अनुकरणीय सजा दी जाएगी। बलियांडांगी उपजिला पूजा महोत्सव परिषद के महासचिव बिद्यनाथ बर्मन ने कहा कि धनतला में नौ, चारोल में एक और परिया में चार मंदिरों पर हमला किया गया। मंदिर हरिबासर, भगवान कृष्ण, मनसा, लक्ष्मी और काली सहित अन्य को समर्पित थे। उन्होंने कहा मूर्तियों के हाथ, पैर और सिर टुकड़े–टुकड़े कर दिए गए थे। कुछ को तोड़कर तालाब में छोड़ दिया गया था। हम चाहते हैं कि अधिकारी इसकी पूरी तरह से जांच करें और दोषियों को पकड़ें। हमलों की खबर फैलते ही उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने मंदिरों का निरीक्षण किया। एसपी ने कहा देखने के बाद मुझे लगा कि यह करतूत जानबूझकर की गई है। यह देश की शांतिपूर्ण स्थिति को बाधित करने के लिए किया गया। उपायुक्त ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अधिकारी कदम उठाएंगे। जिला पूजा उत्सव परिषद के महासचिव तपन कुमार घोष ने भी स्थानीय हिंदू लोगों के साथ मंदिरों का भ्रमण किया। सिंदूरपिंडी के हरिबासर मंदिर में उन्होंने कहा यह मंदिर बड़ा और पारंपरिक है। बहुत से लोग नियमित रूप से इस स्थान पर आते हैं। यहां की सभी मूर्तियों को तोड़ दिया गया है। यह दु:खद और भयावह है। बलियांडांगी उपजिला परिषद के अध्यक्ष एम अली असलम ने कहा जिन मंदिरों में मूर्तियों को तोड़ा गया, वे बिना किसी सुरक्षा उपाय के सड़क के ठीक बगल में हैं। मुझे उम्मीद है कि कानून लागू करने वाले इसे फिर से होने से रोकने के लिए कदम उठाएंगे। सभी को सतर्क रहना चाहिए।

जापान में 4 हफ्तों में महामारी का रूप ले सकता है फ्लू, एक हफ्ते में सामने आए 51 हजार से ज्यादा केस

टोक्यो । कोरोना वायरस की मार से दुनिया अब तक पूरी तरह से उबर नहीं पाई है। कोरोना संक्रमण की वजह से अस्त–व्यस्त हुई अर्थव्यवस्था किसी तरह पटरी पर आ रही है। लेकिन अब जापान के लिए बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। जापान में अब फ्लू का कहर बरपा है। देश में फ्लू के मामले इस कदर बढ़ गए हैं कि ये महामारी की चेतावनी के स्तर तक पहुंच गए हैं। जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि 29 जनवरी को खत्म हुए सप्ताह में पूरे जापान में फ्लू के रोगियों की संख्या देश में महामारी की चेतावनी के स्तर पर पहुंच गई है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफेक्शियस डिजीज द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश में हर चिकित्सा संस्थान में रोगियों की औसत संख्या 10.36 है, जो चेतावनी स्तर के 10 बेंचमार्क को पार कर गई है। चेतावनी का स्तर आने वाले चार हफ्तों में महामारी के आने की आशंका का संकेत देता है। आंकड़ों से पता चलता है कि जापान के सभी 47 प्रान्तों में लगभग 5,000 निगरानी वाले चिकित्सा संस्थानों ने नियमित रूप से 7 दिनों की अवधि के दौरान कुल 51,000 से ज्यादा इन्फ्लूएंजा के मामलों की जानकारी दी है। यहां विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि फ्लू का संक्रमण सामान्य वर्षों के मुकाबले और ज्यादा फैल सकता है, 2021 और 2022 में कोविड–19 के सख्त उपायों से जाहिर तौर पर फ्लू के संक्रमण को काफी कम स्तर पर रखने में मदद मिली थी।

चाइना ने बनाए 3 सुपर गायों के क्लोन

–सुपर गाय देती हैं 100 टन दूध, पैदा करेगा 1000 ऐसी और गायें

बीजिंग । कोरोना वायरस को लेकर संदेह के घेरे में आए चाइना के वैज्ञानिकों ने एक और कारनामा करने का दावा किया है। चीनी वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्होंने सफलतापूर्वक 3 सुपर गायों का क्लोन बनाया है, जो असामान्य रूप से उच्च मात्रा में दूध का उत्पादन कर सकती हैं। जानकारी के मुताबिक सुपर गायों की सफल क्लोनिंग से आयातित नस्लों पर चीन की निर्भरता कम होगी। नॉर्थवेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल एंड फॉरेस्ट्री साइंस एंड टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने सुपर काउ के 3 बछड़ों की सफल क्लोनिंग 23 जनवरी को लूनर न्यू ईयर से पहले के हफ्ते में किया। ये तीनों बछड़े होल्स्टीन फ्रेजियन नस्ल की गायों से क्लोन किए गए, जो नीदरलैंड में पाई जाने वाली नस्ल है। होल्स्टीन फ्रेजियन नस्ल वाली गायें अत्यधिक दुग्ध उत्पादक मानी जाती हैं।

इस नस्ल की एक गाय प्रति वर्ष 18 टन दूध या अपने जीवनकाल में 100 टन दूध का उत्पादन करने में सक्षम होती है। अमेरिकी कृषि विभाग के अनुसार, यह आंकड़ा यूएसए में 2021 में एक गाय से प्रतिदिन प्राप्त औसत दूध की मात्रा का लगभग 1.7 गुना है। निंग्जिया के वुलिन शहर के एक अधिकारी ने राज्य द्वारा संचालित टेक्नोलॉजी डेली को बताया कि क्लोन किए गए बछड़ों में से पहला 30 दिसंबर को सिजेरियन सेक्शन से पैदा हुआ था, जो 56.7 किलोग्राम (120 पाउंड) के बड़े आकार का था। टेक्नोलॉजी डेली के अनुसार, वैज्ञानिकों ने अत्यधिक दूध उत्पादक गायों के कान की कोशिकाओं से 120 क्लोन भ्रूण बनाए और उन्हें सरोगेट गायों के गर्भ में रखा।

प्रोजेक्ट के चीफ साइंटिस्ट जिन यापिंग ने सुपर गायों की सफल क्लोनिंग को एक बड़ी उपलब्धि बताया। यह दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में चीन को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल कराने की दिशा में बड़ा कदम है। इस प्रोजेक्ट की सफलता चीन को गायों की बहुत अच्छी नस्ल को संरक्षित करने की अनुमति देता है, जो आर्थिक रूप से भी व्यवहार्य होगा। जिन यापिंग ने बताया कि चीन में 10,000 गायों में से केवल 5 ही अपने जीवनकाल में 100 टन दूध का उत्पादन कर सकती हैं, जिससे वे प्रजनन के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाती हैं। लेकिन कुछ अत्यधिक दूध उत्पादक गायों की पहचान उनके जीवन के अंत तक नहीं हो पाती है, जिससे उन्हें पालना मुश्किल हो जाता है।

जानकारी के अनुसार, चीन की 70 प्रतिशत दूधारू गायों को विदेशों से आयात किया जाता है।सुपर काउ प्रोजेक्ट के चीफ साइंटिस्ट जिन यापिंग ने कहा, हम विदेशी गायों पर चीन की निर्भरता के मुद्दे से निपटने के लिए एक ठोस आधार के रूप में 1,000 से अधिक सुपर गायों की नस्ल पैदा करने पर ध्यान दे रहे हैं। इसमें दो से तीन साल लगेंगे। चीन ने हाल के वर्षों में एनिमल क्लोनिंग में महत्वपूर्ण प्रगति की है। पिछले साल, चीन की एक एनिमल क्लोनिंग कंपनी ने दुनिया का पहला क्लोन आर्कटिक वुल्फ बनाया था। चीन की स्टेट मीडिया ने वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि को देश के डेयरी उद्योग के लिए क्रांतिकारी बताया है।

कोपनहेगन में संसद के बाहर प्रदर्शन करते हुए लोग। ये लोग रक्षा बजट को लेकर सरकार के एक प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं।

अब आईएमएफ की चंगुल में फंसा पाकिस्तान, शर्तें मान ली तो देश में तख्तापलट तय

इस्लामाबाद। पाकिस्तान एक गंभीर आर्थिक संकट की चपेट में है। रुपया लगातार गिर रहा है। देश में महंगाई दर बढ़ रही है और ऊर्जा की आपूर्ति ठप्प हो चुकी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को आगामी चुनाव से पहले जनता के आक्रोश का डर सता रहा है। आईएमएफ की मांग पर टैक्स बढोतरी और सब्सिडी

हटाने का विरोध कर सकती है। पेट्रोल–डीजल की कीमत में अचानक बढोतरी भी आईएमएफ की शर्तों का परिणाम है। पाकिस्तान की जनता के लिए आने वाले महीने और मुश्किल भरे हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तानी अधिकारियों से कहा है कि राजस्व घाटे को एक सीमा के भीतर सीमित करने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। पाकिस्तान और आईएमएफ के अधिकारियों ने मिनी बजट के माध्यम से प्रस्ताव काराधान उपयोगों के तरीकों पर विचार–विमर्श किया है और इसके सुचारु संचालन की संभावना पर चर्चा की है। इसके संकेत मिल रहे हैं कि पाकिस्तान सरकार आने वाले दिनों में जनता पर टैक्स का बोझ बढ़ा सकती है।

तुर्की और सीरिया में भीषण भूकंप: 12 घंटे के भीतर भूकंप के 2 झटके, 1300 से ज्यादा की मौत, भारत ने बढ़ाया मदद का हाथ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। तुर्की और सीरिया में सोमवार को आए 7.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद 1,300 से अधिक लोग मारे गए और कई इमारतें ढह गईं। झटके साइप्रस द्वीप तक महसूस किए गए। मरने वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि बचावकर्मी मलबे से और शव निकालेंगे। तुर्की के अधिकारियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहायता के लिए कॉल करने पर 'स्तर 4 अलार्म' बज गया है। समाचार एजेंसी एएफपी ने बताया कि सीरिया के सरकारी नियंत्रण वाले हिस्सों में कम से कम 326 लोग मारे गए। देश के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने एक बयान में कहा, तुर्की में कम से कम 912 लोग मारे गए।

पीएम मोदी ने दिया हर संभव मदद का भरोसा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तुर्की में आए भूकंप से जान-माल के नुकसान

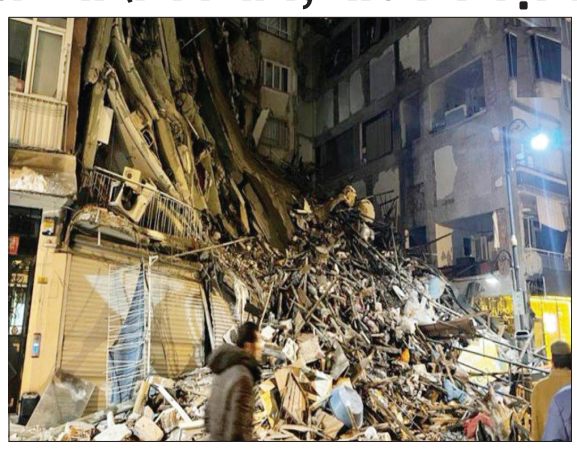

पर दुख जताया। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, ÷शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भारत तुर्की के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है और इस त्रासदी से निपटने के लिए हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।पीएम मोदी ने सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप में मारे गए लोगों के प्रति भी शोक व्यक्त किया। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, 'यह जानकर गहरा दुख हुआ कि विनाशकारी भूकंप ने सीरिया को भी प्रभावित किया है। पीड़ितों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। हम सीरियाई लोगों के दुख को साझा करते हैं और इस कठिन समय में सहायता और सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राहत सामग्री भेजेगा भारत

भीषण भूकंप से निपटने के लिए भारत ने सहायता मिशन तैयार कर लिया है। पीड़ितों की सहायता के लिए भारत की ओर से एनडीआरएफ की दो टीमें भेजी जा रही हैं। इसके अलावा भारत दवाओं के साथ-साथ बड़ी मात्रा में राहत सामग्री भेज रहा है। प्रधानमंत्री के निर्देश के बाद प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी के मिश्रा ने तत्काल राहत उपायों पर चर्चा करने के लिए साउथ ब्लॉक में बैठक की। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, यह निर्णय लिया गया कि राहत सामग्री के साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और चिकित्सा दलों को तुर्की गणराज्य की सरकार के समन्वय से तुरंत तुर्की भेजा जाएगा।

पाक आर्मी के खिलाफ बोलने पर 5 साल की जेल

–शाहबाज सरकार ने तैयार किया बिल, जुर्माने के तौर पर 10 लाख रुपए वसूलेंगे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आर्थिक तंगी से जूझ रही पाकिस्तान की सरकार ने वहां की आर्मी और न्यायालयों को विवादों से बचाने के लिए एक बिल तैयार किया है। इसके तहत वहां के पीनल कोड और सीआरपीसी की धाराओं में बदलाव किया जाएगा।

सरकार ने जो नई धाराएं प्रपोज की हैं उनके तहत अगर कोई भी व्यक्ति आर्मी या वहां की कोर्ट को लेकर कोई अपमानजनक कमेंट करेगा तो उसे जेल में डाल दिया जाएगा और उस पर जुर्माना भी लगेगा।

पीएम और गृह मंत्रालय की सिफारिश पर तैयार किया बिल

इस बिल को गृह मंत्रालय ने कैबिनेट और पीएम की सिफारिशों पर ड्राफ्ट किया है। जिसे पाकिस्तान के कानून और न्याय मंत्रालय ने भी परखा है। जल्द ही इसे पास होने के लिए कैबिनेट को सौंप दिया जाएगा। नए कानून में लिखा गया है कि कोई भी व्यक्ति या संस्था सेना की छवि बिगाड़ने के मकसद से अगर कुछ पब्लिश करता है या किसी भी प्लेटफॉर्म पर ऐसे फोटो, वीडियो या आर्टिकल को सर्कुलेट करता है तो वो सजा का हकदार होगा। नए सेक्शन के तहत उसे 5 साल की कड़ी सजा मिलेगी साथ ही उसे 10 लाख रुपए का जुर्माना भी देना पड़ेगा। मामला बड़ा होने पर उसे सजा और जुर्माना दोनों को भुगतना होगा। नए कानून के तहत सेना या कोर्ट की बुराई करने वाले को बिना किसी वॉरेंट के ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा और बेल भी नहीं मिलेगी।

एक दिन महान परोपकारी के रूप में सामने आएंगे मस्क, दूसरों की सेवा मंगल यात्रा से ज्यादा सुखकर : एलन मस्क

वाशिंगटन (एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने कहा कि उन्हें मंगल ग्रह पर जाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। वह अपना पैसा धरती पर ही लोगों की मदद करने पर खर्च करना चाहेंगे। इस काम से मुझे गहरा आत्मीय संतोष मिलता है और यह काम मैं आगे भी जारी रखना चाहूंगा।

एक साक्षात्कार में बिल गेट्स से स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क और चैरिटी के बारे में सवाल पूछे जाने पर उन्होंने उम्मीद जताई कि एक न एक दिन मस्क महान परोपकारी के रूप में दुनिया के सामने आएंगे।

साक्षात्कारकर्ता ने बिल गेट्स और वारेन बफेट की संस्था 'द गिविंग प्लेज' का जिक्र करते हुए पूछा दुनिया के सैकड़ों सबसे अमीर लोगों ने अपनी कमाई का अधिकांश हिस्सा दान में देने का वादा किया था। इसके जवाब में बिल गेट्स ने कहा टेस्ला जैसी चीजें परोपकार का एक रूप न होने पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। मंगल ग्रह पर कुछ बार जाने के अलावा, उन्हें नहीं लगता कि स्पेसएक्स के सीईओ अपनी अधिकांश संपत्ति केवल खुद पर खर्च करेंगे। क्या मंगल ग्रह पर जाना पैसे का अच्छा उपयोग है, इस सवाल के जवाब में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक ने साफ किया मेरे विचार में नहीं। गेट्स ने कहा कि मंगल ग्रह पर जाना वास्तव में काफी महंगा है। आप इसके बदले खसरे के टीके खरीद सकते हैं और 1,000 डॉलर प्रति जीवन बचाकर लोगों की जान बचा सकते हैं।

सर्वनाश में कुछ दिन शेष, जंग में कूदा तीसरा देश! पुतिन ने जेलेंस्की की जिंदगी को लेकर इजराइल से क्या किया वादा

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। क्रेमलिन ने एक तारीख रिलीज की है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक डेडलाइन जारी की है। ये वो तारीख है जिसको लेकर कीव से लंदन और वाशिंगटन में भी दहशत है। ये तारीख 24 फरवरी की है। 24 फरवरी तक पुतिन सेना वॉर को 180 डिग्री तक बदल देगी। अगले कुछ दिनों में यूक्रेन की हार तय हो जाएगी क्योंकि पुतिन ने ऑपरेशन 24 फरवरी लॉन्च कर दिया है। 24 फरवरी 2023 को दुनिया पुतिन का असली पॉवर देखेगी। रूस बारूद की ऐसी बारिश करने जा रहा है कि यूक्रेन की धरती दहल जाएगी। इसी मौके पर पुतिन ने यूक्रेन को बर्बाद करने का ऐलान कर दिया है। यूक्रेन पर छह फ्रंट पर हमले की तैयारी की गई है।

पूर्व इज़राइली प्रधानमंत्री जिन्होंने यूक्रेन के साथ रूस के युद्ध की शुरुआत में एक मध्यस्थ की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि कहना है कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति से अपने यूक्रेनी समकक्ष को नहीं मारने का वादा किया था। पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट युद्ध के पहले हफ्तों में एक अप्रत्याशित मध्यस्थ के रूप में उभरे। बेनेट पिछले मार्च में मॉस्को की एक स्नैप यात्रा में युद्ध के दौरान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने वाले कुछ पश्चिमी नेताओं में से एक बन गए। बेनेट की मध्यस्थता के प्रयासों ने रक्तपात को समाप्त करने की भरपूर कोशिश की। उनकी टिप्पणी, शनिवार देर रात ऑनलाइन पोस्ट किए गए एक साक्षात्कार में पर्दे के पीछे की कूटनीति पर प्रकाश डालती है।

नेफ्ताली बेनेट ने कहा कि मैंने कहा था कि मुझे आपकी जुबान चाहिए कि आप जेलेंस्की को नहीं मारेंगे। इस पर पुतिन ने सिर्फ इतना कहा कि मैं जेलेंस्की को नहीं मारूंगा। अब चार घंटे के इंटरव्यू में बेनेट ने सिर्फ पुतिन के साथ अपनी मुलाकात का जिक्र नहीं किया है, बल्कि उनकी तरफ से यहां तक कहा गया है कि उस मीटिंग के बाद उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी बात की थी।

ऑस्ट्रिया और इटली में हिमस्खलन में नौ लोगों की मौत

फ्रैंकफर्ट। ऑस्ट्रिया और इटली में सप्ताहांत में हुए हिमस्खलन में करीब नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। हादसा ऐसे समय हुआ है, जब भारी बर्फबारी और स्कूल की छुट्टियों के कारण बड़ी संख्या में लोग 'स्की' करने आल्प्स पहुंचे हैं। रविवार को ऑस्ट्रिया के पूर्वी टिरोल में बर्फ हटाने वाले वाहन का चालक मृत पाया गया। ऑस्ट्रिया के टिरोल क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक हिमस्खलन की सूचना मिली है। अधिकारियों ने चेतावनी स्तर पांच की बजाए चार कर दिया है और लोगों से सावधानी बरतने का आग्रह किया। अधिकारियों ने अभी तक ऑस्ट्रिया और इटली में नौ लोगों की मौत की जानकारी दी है।

भारत में भी जासूसी कर रहे हैं चीन के गुब्बारे? अंडमान के ऊपर से भरा था उड़ान, क्या हो सकता है काउंटर प्लान

नई दिल्ली /बीजिंग। (एजेंसी)। अमेरिका के आसमान में चीनी गुब्बारे का खात्मा हो गया है। एक गुब्बारा जो अमेरिका के अलग-अलग शहरों के ऊपर उड़ रहा था। जिसे पिछले दो दिनों तक मार कर गिराना भी खतरनाक था। उसके अटलांटिक सागर के ऊपर जाते ही मार गिराया गया। हमले की इस कार्रवाई को अमेरिकी एफ-22 लड़ाकू विमानों से अंजाम दिया गया। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गुब्बारे पर एक्शन लेने का फरमान जारी किया। इसके बाद उस गुब्बारे को अटलांटिक महासागर के ऊपर घर कर नष्ट कर दिया गया। बताया गया कि अमेरिका के लड़ाकू विमान इस गुब्बारे के अटलांटिक महासागर के पास पहुंचने का ही इंतजार कर रहे थे। ताकी मार गिराए जाने के बाद उसका मलबा किसी शहर को नुकसान न पहुंचा सके। अमेरिकी तट के पास एक चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराने वाले अमेरिकी ने अप्रत्याशित रूप से महाशक्ति संबंधों को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है। चीन की प्रतिक्रिया गुस्से भरे शब्दों तक सीमित हो सकती है, लेकिन उसके द्वारा अपना रुख बदलने की संभावना नहीं है।

भारत के साथ चीन की लंबी सीमा

चीन भले ही इस गुब्बारे को मौसम संबंधी जानकारी जुटाने वाला बता रहा हो लेकिन भारत जैसे देशों के लिए यहां महत्वपूर्ण सबक हैं जो चीन के साथ एक भूमि सीमा साझा करते हैं और बीजिंग के साथ गंभीर मतभेद रखते हैं। सबसे पहले, गुब्बारों की घटना से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि चीनी जासूसी तकनीक तेजी से परिष्कृत होती जा रही है। पिछले साल श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर एक चीनी जासूसी जहाज का एक शोध पोत के रूप में डॉकिंग बीजिंग की बढ़ती जासूसी क्षमताओं का एक और उदाहरण था।

ड्रैगन भारत में भी भेज सकता है जासूसी गुब्बारे?

भारत और चीन के बीच पिछले लगभग तीन सालों से तनावपूर्ण स्थिति है। भारत चीन के साथ लंबा बॉर्डर साझा करता है। ड्रैगन की मंशा से तो पूरी दुनिया वाकिफ है। ऐसे में इस बात की भी संभावना है कि जासूसी बैलून भारत में भी जासूसी कर सकते हैं। वैसे तो भारत का पूरे बॉर्डर पर एयर सर्विलेंस सिस्टम बेहद ही मौजूद है। उसे लगातार और अपग्रेड भी किया जा रहा है। ऐसे में इसकी संभावनाओं से रक्षा विशेषज्ञ इनकार कर रहे है कि इस तरह का कोई जासूसी बैलून आए और डिटेक्ट न हो पाए। हालांकि गुब्बारे का आकार इसमें एक अहम भूमिका निभाता है। अमेरिका में आइडेंटिफाई किए गए चीनी गुब्बारे का आकार तीन बसों के बराबर था। इसके पीछे की वजह उसे लंबी दूरी का सफर तय करना था। बड़े साइज के जासूसी गुब्बारे को आसान से आइडेंटिफाई किया जा सकता है।

भारत का क्या हो सकता है काउंटर प्लान

अमेरिका ने अपने एफ 22 विमान से चीन के जासूसी गुब्बारे की हवा निकाल कर रख दी। वैसे भारत के पास सुखोई 30 और राफेल जैसे विध्वंसक फाइटर जेट मौजूद हैं। उनके मिसाइल से इस तरह के बैलून को आसानी से मार गिराया जा सकता है। डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि वैसे तो जासूसी ड्रोन के जरिए भी होती है, लेकिन बैलून ज्यादा देर तक हवा में रह सकता है। उसका कवरेज भी ज्यादा होता है। इसे बहुत लंबी दूरी में कहीं भी जमीन पर बैठकर मॉनिटर किया जा सकता है। चीन ऐसे बैलून का इस्तेमाल एलएसी के पास भी कर सकता है।

अमेरिका ने किया बड़ा दावा

अमेरिका के चर्चित रक्षा विशेषज्ञ एचआई सटन ने खुलासा किया है कि चीन के अत?यधिक ऊंचाई पर उड़ने वाले जासूसी गुब?बारे का इस?तेमाल भारत के सैन?य अड्डे की जासूसी के लिए भी किया गया था। उन?होंने कहा कि यह जासूसी इससे पहले भारत के बेहद अहम नौसैनिक अड्डे अंडमान निकोबार द्वीप समूह के ऊपर से भी उड़ान भर चुका है और उसकी तस्वीर भी सामने आई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीनी सेना के अतिक्रमण पर कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने लोकसभा में दिया स्थगन नोटिस

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सोमवार को भारतीय क्षेत्र में चीनी अतिक्रमण पर चर्चा के लिए लोकसभा में स्थगन नोटिस पेश किया। उन्होंने कहा मैं इस मामले में चर्चा के लिए शून्यकाल और सदन के अन्य कार्य को स्थगित करने के लिए एक प्रस्ताव पेश करने की अनुमति मांगता हूं कि यह सदन चीन के साथ सीमा की स्थिति पर विस्तृत चर्चा के लिए शून्यकाल और दिन के अन्य कामकाज को निलंबित करें। नोटिस में उन्होंने कहा कि चीन अप्रैल 2020 से लगातार जमीन हड़पने में लगा हुआ है। 16 जनवरी 2023 तक भारत और चीन के बीच कमांडर स्तर की 17 दौर की बातचीत हो चुकी है, जिसमें बहुत कम सफलता मिली है। इस दौरान चीन अपने सैनिकों के लिए पुलों, सड़कों और आवास सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण करना जारी रख रहा है। चीन एकतरफा तरीके से यथास्थिति को बदलने की कोशिश कर रहा है। अरुणाचल के तवांग सेक्टर में हुई झड़पें सीमा पर यथास्थिति को बदलने के उद्देश्य से चीन की लगातार आक्रामकता का एक और संकेत हैं। इस तरह की आक्रामकता अब क्षेत्रीय दायरे तक सीमित नहीं है, जैसा कि पिछले संघर्षों में लगभग 2000 किलोमीटर दूर अरुणाचल में हुई झड़पों से स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि चीन यथास्थिति बहाल करने को तैयार नहीं है, ऐसी स्थिति जो भारत को भारी नुकसान में डालती है। इसके बावजूद, 2020 में सैन्य टकराव शुरू होने के बाद से हमारे साथ चीन का बड़ा व्यापार अधिशेष बढ़ना जारी है। भारत का व्यापार घाटा 2021 के 69.38 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करते हुए 101.02 अरब डॉलर रहा। मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि वह इस मामले को पूरी गंभीरता से ले और चीन के साथ सीमा की स्थिति के संबंध में संसद में विस्तृत चर्चा करे।

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 8 से 10 फरवरी तक बारिश के असर

देहरादून। उत्तर भारत के राज्यों से ठंड की विदाई होती दिख रही है। वहीं, पहाड़ी इलाकों में फिर बर्फबारी और बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग की मानें, तब एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ फिर सक्रिय हो सकता है। जिसके प्रभाव से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 8 से 10 फरवरी तक बारिश या बर्फबारी देखने को मिल सकती है। हरिद्वार के उधम सिंह नगर में कोहरा छाए रहने की आशंका है।मौसम विभाग के अनुसार अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में आज बारिश देखने को मिल सकती है। अगले 24 घंटों के दौरान, दक्षिण तमिलनाडु, दक्षिण केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और असम के पूर्वी हिस्सों में हल्की बारिश संभव है। वहीं, अरुणाचल प्रदेश की पहाड़ियों पर कुछ जगहों पर हल्की बारिश और हिमपात हो सकता है।

मुस्लिम बन चुकी मां पर हिंदू बेटियों को संपत्ति का हक नहीं

अहमदाबाद । उत्तराधिकार के मामले में अहमदाबाद कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। कोर्ट ने 3 हिंदू महिलाओं की दायर याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में दावा किया गया था,कि उनकी मां की मृत्यु के बाद सेवानिवृत्ति के लाभ उन्हें भी दिए जाएं। जिन हिंदू महिलाओं ने अधिकार मांगा था, उनकी मां ने हिंदू पिता की मृत्यु के बाद एक मुस्लिम से शादी कर ली थी। मुस्लिम पति की मौत के बाद, वह महिला मुस्लिम पति के एवज में अनुकंपा नौकरी कर रही थी। मुस्लिम कानूनों के अनुसार हिंदू औलाद उसकी उत्तराधिकारी नहीं हो सकती हैं। पति की मृत्यु के बाद रंजना नाम की महिला ने 2009 में मुस्लिम से शादी कर ली थी। उसके बाद मुस्लिम पति से उसे एक बेटा हुआ। महिला ने उसे अपना वारिस घोषित किया था। पहले पति से जन्मी बेटियों ने,अपनी मां की भविष्य निधि, ग्रेजुएटी, बीमा, अवकाश नकदीकरण इत्यादि के लाभ का अधिकार मांगा था। कोर्ट ने उनके दावे को खारिज कर दिया है।

ड्राइविंग करते पकड़ा नाबालिग, माता–पिता को 3 साल की जेल

– कोर्ट ने ठोंका 25 हजार का जुर्माना

नई दिल्ली । पुडुचेरी में एक नाबालिग के माता–पिता को कम उम्र में गाड़ी चलाने की एक घटना में 3 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। साथ ही अभिभावकों पर 25 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया है। फिलहाल घटना की पूरी जानकारी तो सामने नहीं आई है लेकिन बताया गया है कि इस नाबालिग के माता–पिता को जेल भेज दिया गया है। पुडुचेरी के परिवहन विभाग द्वारा यह घोषणा की गई है कि जो भी नाबालिग बिना ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी चलाते हुए पकड़ा जाएगा, उसके माता–पिता को गिरफ्तार कर तीन साल की जेल और 25,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। सार्वजनिक सड़कों पर नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना एक गंभीर अपराध है और पुलिस के पास अपराधियों के खिलाफ कठोर दंड लेने का अधिकार है। नाबालिगों को मोटर वाहन चलाने की अनुमति नहीं है। इसलिए वे बीमा द्वारा सुरक्षित नहीं हैं। इसके अतिरिक्त नाबालिगों और दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कई राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा पहले युवा ड्राइवर्स के माता–पिता को कड़ी चेतावनी भेजी गई थी। यहां तक कि नाबालिग बच्चों के माता–पिता, जो अवैध मोटरबाइक और वाहन चलाते पाए गए थे, उन्हें पुलिस ने पकड़ लिया और एक पूर्व मामले में जेल में रात बिताई। इसके अतिरिक्त भारत में ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के लिए लोगों की आयु न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिए। इससे पहले कोई निजी सड़क पर या रेसट्रैक पर सवारी या ड्राइविंग का अभ्यास कर सकता है, लेकिन सार्वजनिक सड़कों पर नहीं। नाबालिग के वाहन चलाने के पिछले मामले में मई 2022 में एक नाबालिग लड़की का टोयोटा फॉर्च्यूनर चलाने का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया था। वीडियो फुटेज जुलाई 2020 का था जिसमें एक वकील अपनी 12 साल की बेटी को राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोयोटा फ़ॉर्च्यूनर चलाते हुए रिकॉर्ड कर रहा था।

श्रीरामचरित मानस की एक पंक्ति हटाने भर से बात नहीं बनेगी, समाज में बड़े आंदोलन की जरूरत : पल्लवी पटेल

गोंडा । रामचरित मानस को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अपना दल (कमेरावादी) की नेता और विधायक पल्लवी पटेल ने कहा मैंने राम चरित मानस नहीं पढ़ा, न मेरी उसमें श्रद्धा हे। स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर उन्होंने कहा कि किसी एक पंक्ति को हटाने से बात नहीं बनेगी, वंचित समाज के प्रति ऐसे विचार को जड़ से मिटाने पर ही काम बनेगा। इसको लेकर बड़े सामाजिक आंदोलन की जरूरत है। पल्लवी पटेल ने कहा कि मैं गोस्वामी तुलसीदास को संत नहीं मानती। उन्होंने सभी रामायणों का अध्ययन करने के बाद नई किताब लिख दी। उन्होंने कहा गोस्वामी तुलसीदास रामायण के महज अनुवादक हैं। रामचरित मानस में उनके निजी विचार हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्या को यह विरोध भाजपा में रहते हुए करना चाहिए था।

80 फ़ीसदी ट्रेनों में सफाई नहीं

– कोरोना काल के बाद यात्रियों में फैली दहशत

रतलाम। रतलाम रेल मंडल से निकलने वाली 200 से ज्यादा यात्री गाड़ियों की सफाई व्यवस्था को लेकर सर्वे किया गया। 80फ्स्र ट्रेनों में गंदगी पाई गई। सामान्य स्लीपर से लेकर एसी के डब्बे भी भारी गंदगी से पटे हुए पड़े थे। चलती गाड़ियों में कहीं पर भी सफाई नहीं हो रही थी। 80 फ़ीसदी से ज्यादा यात्रियों ने अपनी नाराजी सफाई व्यवस्था को लेकर जताई। चलती ट्रेन में होने वाली सफाई लगभग लगभग बंद पड़ी हुई है। सर्वे के दौरान,मुंबई –नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, नई दिल्ली –मुंबई राजधानी एक्सप्रेस, बांद्रा– निजामुद्दीन अगस्त क्रांति एक्सप्रेस और निजामुद्दीन बांद्रा अगस्त क्रांति एक्सप्रेस में भी गंदगी पाई गई। यात्री ट्रेनों में गंदगी का मामला कई बार उठाया जा चुका है। हाल ही में केंद्रीय मंत्री पहलाद पटेल ने भी जबलपुर रेल मंडल में शिकायत कल भारी नाराजगी जताई थी। ट्रेनों की सफाई नियमित रूप से नहीं हो रही है। ठेके पर जो कर्मचारी काम कर रहे हैं। उन ठेकेदारों पर समय समय पर जुर्माना भी लगाया जा रहा है। इसके बाद भी यात्री ट्रेनों की गंदगी कम नहीं हो रही है। ठेकेदारों के ऊपर इतना कम जुर्माना लगाया जाता है, कि उन्हें इसकी कोई चिंता ही नहीं होती है।

अमित शाह के मिशन त्रिपुरा का आगाज,

कहा- टिपरा मोथा का कांग्रेस-लेफ्ट के साथ है गुप्त समझौता

अगरतला (एजेंसी)। पुरा के खोवाई में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 2018 में बीजेपी ने त्रिपुरा में 'चलो पलटाई' का नारा दिया था और यहां की जनता ने राज्य में बीजेपी की हुकूमत को हवा देकर जीत दिलाकर इसे सच कर दिखाया है। भाजपा ने 5 साल में वामपंथियों के 27 साल के कुशासन को बदलने का काम किया। 27 साल से त्रिपुरा में हिंसा का तांडव चल रहा था, उसको बदलने का काम भाजपा ने किया। जो 27 साल से जनजातीय भाई-बहनों के साथ अन्याय हो रहा था, उस अन्याय को समाप्त करने का काम किया। विशेष रूप से, हमारा नारा 'चलो पलटाई' सरकार बदलने के लिए नहीं था, बल्कि त्रिपुरा में स्थिति को बदलने के लिए, त्रिपुरा में विकास लाने के लिए था।

अमित शाह ने कहा कि वामपंथी घोटाला करते थे और कांग्रेस घपला करती थी, आज दोनों एक साथ हो गए हैं। जबकि भाजपा पर घोटाले का एक भी आरोप कोई नहीं लगा सकता। भाजपा ने मोदी जी के नेतृत्व में पारदर्शी सरकार चलाई है, गरीबों का कल्याण करने वाली सरकार चलाई है। कम्युनिस्ट क्रिमिनल हैं और कांग्रेस करप्ट, दोनों ने जनता के साथ, राज्य के साथ खिलवाड़ किया है। करीब 30 साल के कम्युनिस्टों के शासन, करीब 15 साल के कांग्रेस के शासन और सिर्फ 5 साल के बीजेपी शासन के प्रभावों का विश्लेषण करें, आपको सभी जवाब मिल जाएंगे। पूर्वोत्तर आज उग्रवाद की जगह विकास के रास्ते पर चल रहा है। एयरपोर्ट बन रहे हैं, सड़कें बन रही हैं, रेल पहुंच रही है। ये सारा काम भाजपा सरकार ने किया है।

अमित शाह ने कहा कि 2016 और 2018 के बीच सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुईं; हिंसा, उग्रवाद और भ्रष्टाचार नियमित मामले बन गए थे। भाजपा के शासन में इस तरह की गतिविधियों में करीब 30 फीसदी की गिरावट लाना महज 5 साल का समय है। भाजपा ने जनजातीय गौरव के लिए ढेर सारे काम किए हैं। 75 साल में कभी भी इस देश के राष्ट्रपति पद पर कोई जनजातीय समुदाय का बेटा या बेटी नहीं पहुंचा। मोदी सरकार ने श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर जनजातीय समुदाय को सम्मानित किया है।

इतना बड़ा घोटाला होने के बाद भी चुप्पी साधे बैठे हैं पीएम मोदी : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी दलों के नेताओं अडानी-हिंडनबर्ग और अन्य मुद्दों पर रणनीति बनाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष और संसद में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के चेंबर में बैठक की। बैठक में कांग्रेस के अलावा डीएमके, एनसीपी, बीआरएस, जेडी(यू), सपा, सीपीएम, सीपीआई, केरल कांग्रेस (जोस मणि), जेएमएम, आरएलडी, आरएसपी, आप, आईयूएमएल, राजद व शिवसेना के सदस्यों ने हिस्सा लिया।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा हम हम संसद में अडानी का मुद्दा उठाना चाहते हैं, लेकिन सरकार चर्चा से भाग रही है। सरकार इतने बड़े मुद्दे पर चुप है, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। खड़गे ने कहा कि जो उद्योगपति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी हैं, उनको लेकर उन्हें कुछ बोलना चाहिए नहीं तो देश की आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो जाएगी। इस मुद्दे (अडानी स्टॉक क्रैश) को सदन में चर्चा में लाएंगे और जो कमियां हैं, वे हम सरकार को बताएंगे। सरकार अब तक चुप क्यों बैठी है?

इतना बड़ा घोटाला होने के बाद भी सरकार चुप्पी साधे है। खासकर पीएम मोदी कुछ नहीं बोल रहे हैं। वहीं, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा अब हम बैठक करेंगे और पूरा विपक्ष एक साथ आएगा, चर्चा होगी और फैसला होगा। यह केवल कांग्रेस का मुद्दा नहीं है, बल्कि भारत के आम लोगों का मुद्दा है।

थम नहीं रहा विवाद: दिल्ली तक पहुंची तांबे की बगावत, प्रदेश प्रमुख पार्टी नाना पटोले को हटाने की मांग ने जोर पकड़ा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र कांग्रेस में सबकुछ ठीक नहीं है। खबर है कि सत्यजीत तांबे की बगावत की बात दिल्ली तक पहुंच गई है। पार्टी के प्रदेश प्रमुख नाना पटोले को हटाने की मांग जोर पकड़ रही है। कांग्रेस के दिग्गज नेता बालासाहेब थोराट ने बिना किसी नेता का नाम लिए पार्टी में आंतरिक कलह की बात कही है। इधर, पटोले ने तमाम आरोपों से इनकार किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पार्टी के एक नेता ने कहा पटोले पार्टी को साथ लेकर नहीं चलते हैं। वह दूसरे गुटों से माने जाने वाले कांग्रेस नेताओं को दरकिनार कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के बजाए राज्य में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व के साथ उनका विवाद ज्यादा रहा है। इस मामले ने तांबे मामले के बाद और तूल पकड़ लिया है।

थोराट ने कहा कि तांबे को लेकर जारी विवाद पार्टी में चल रही गंदी राजनीति का हिस्सा है। उन्होंने साफ कर दिया है कि वह भतीजे तांबे के साथ रहेंगे और मामले में दिल्ली आलाकमान फैसला लेगा। तांबे ने हाल ही में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नासिक डिविजन में जीत हासिल की है। कांग्रेस ने उनके पिता और एमएलसी सुधीर तांबे को टिकट दिया था। जबकि, परिवार भी सत्यजीत को ही मैदान में उतारना चाह रहा था। इसके चलते सुधीर ने भी सत्यजीत का समर्थन किया और नामांकन दाखिल करने से इनकार कर दिया। चुनाव जीतने के बाद सत्यजीत ने पटोले को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि तांबे और थोराट परिवार के खिलाफ पटोले ने साजिश की है। उन्होंने कहा कि पार्टी से बाहर करने और परिवार को बदनाम करने के लिए गलत ए और बी फॉर्म्स उनके पास भेजे गए थे। थोराट ने बगैर किसी नेता का नाम लिए कहा कुछ लोग हमारे बारे में गलत जानकारी फैला रहे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि मैं भाजपा में शामिल हो रहा हूं।

हिलेरी क्लिंटन ने पांच करोड़ डॉलर के ग्लोबल क्लाइमेट रेजिलिएन्स फंड की घोषणा की

कुडा (एजेंसी)। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने सोमवार को जलवायु परिवर्तन से लड़ने के वास्ते महिलाओं के लिए पांच करोड़ डॉलर के 'ग्लोबल क्लाइमेट रिजिलीअन्स फंड' की घोषणा की। उन्होंने गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले के कुडा गांव के पास नमक के मैदान में काम करने वाले श्रमिकों को संबोधित करते हुए कहा कि कोष महिलाओं और समुदायों को जलवायु परिवर्तन से लड़ने और आजीविका के नए संसाधन व शिक्षा प्रदान करने में मदद करेगा। क्लिंटन ने कहा, 'आज मैं क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव, अमेरिकन इंडियन फाउंडेशन, एसईडब्ल्यूए (दिवंगत कार्यकर्ता इला भट्ट द्वारा स्थापित सेल्फ इम्प्लॉएड वीमंस एसोसिएशन) और अन्य संगठनों के साथ महिलाओं के लिए पांच करोड़ डॉलर के 'ग्लोबल क्लाइमेट रिजिलीअन्स फंड' की घोषणा करती हूं।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगभग 30 वर्षों तक इलाबेन और एसईडब्ल्यूए के साथ काम करने का सौभाग्य मिला। लेकिन हम अगले 50 वर्षों के बारे में सोच रहे हैं।' क्लिंटन ने एक मजूदर संघ के रूप में एसईडब्ल्यूए के 50 साल पूरे होने के अवसर पर अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में भाग लिया और इसकी संस्थापक और प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता इला भट्ट को श्रद्धांजलि दी। आयोजन के दौरान उन्होंने कहा था कि जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली गर्मी अनौपचारिक क्षेत्रों में महिला श्रमिकों के लिए एक अतिरिक्त चुनौती है और 'ग्लोबल क्लाइमेट रिजिलीअन्स फंड' इस चुनौती से निपटने में मदद करेगा।

अब सेहत के साथ आपकी जेब के लिए भी हानिकारक होगा सिगरेट पीना

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैधानिक चेतावनीः सिगरेट पीना स्वास्थ्य के लिए बुहत ही हानिकारक है। लेकिन अब सिगरेट पीना न सिर्फ सेहत, बल्कि आपकी जेब के लिए भी हानिकारक साबित होगा। क्योंकि मोदी सरकार ने सिगरेट पर लगने वाली ड्यूटी को बढ़ा दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बीते हफ्ते बजट पेश किया था, उसमें सिगरेट पर लगने वाली ड्यूटी को 16 प्रतिशत बढ़ाने का ऐलान किया। पान-मसाला, बीड़ी-सिगरेट पर नेशनल कैलेमिटी कंटीन्जेंट ड्यूटी यानी एनसीसीडी लगाई जाती है। 3 साल में ये पहली बार है, जब एनसीसीडी को बढ़ाया गया है। आखिरी बार 2020 के बजट में इस बढ़ाया गया था।

2020 के बजट में सिगरेट पर 212 से 388 फीसदी तक एनसीसीडी को बढ़ा दिया गया था। ये सिगरेट के साइज और टाइप के हिसाब से था। ये पहली बार था जब एक बार में ही सिगरेट पर ड्यूटी को इतना ज्यादा बढ़ाया गया था। इस बार ड्यूटी को 16 फीसदी बढ़ाया गया है और इस वजह से 10 सिगरेट वाला पैकेट कम से कम पांच रुपये तक महंगा हो सकता है।

65 मिमी तक लंबी सिगरेट के एक हजार पीस पर 440 रुपये ड्यूटी लगती थी, जो अब बढ़कर 510 रुपये हो गई है। 65 से 70 मिमी लंबी सिगरेट के एक हजार पीस पर भी ड्यूटी 440 से बढ़कर 510 रुपये हो गई है। वहीं, 70 से 75 मिमी लंबी सिगरेट के एक हजार पीस पर ड्यूटी को 545 से बढ़ाकर 630 रुपये कर दिया गया है।

लिहाजा, अगर अब आप 10 सिगरेट वाला पैकेट लेते हैं, तब आपको 5 से 6 रुपये ज्यादा चुकाना होगा। अगर 20 सिगरेट वाला पैकेट है,तब ये 10 से 12 रुपये महंगा हो सकता है।

एनसीपी नेता आव्हाड ने शिवाजी महाराज, श्रीराम और श्रीकृष्ण को लेकर दिया विवादित बयान

–भाजपा नेता जीभ कटकर लाने वाले 10 लाख रुपये देने की बात कही

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री जितेंद्र आव्हाड फिर विवादों में घिरे हैं। बीते कुछ दिनों से आव्हाड अपने बयानों की वजह से सियासी चर्चा का केंद्र में हैं। अब उन्होंने शिवाजी महाराज, श्रीराम और श्रीकृष्ण को लेकर विवादित बयान दिया है। आव्हाड के बयान की वजह से पूरे महाराष्ट्र में भारी नाराजगी महसूस की जा रही है। आव्हाड के बयान के बाद बीजेपी नेता कपिल दहेकर ने उनकी जीभ काट कर लाने वाले को दस लाख रुपये इनाम देने की घोषणा की है। दरअसल आव्हाड ने एक ट्वीट में लिखा है कि मुगलों के बिना शिवाजी महाराज का इतिहास कौन

जानेगा, रावण के बिना श्रीराम को कौन जानेगा? दहेकर महाराष्ट्र के जालना जिले के बीजेपी ओबीसी मोर्चा के नेता हैं। कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आव्हाड कभी-कभी सारी सीमाओं को पार कर देते हैं।

आव्हाड ने ट्वीट में लिखा है कि अगर रावण को रामायण से निकाल दिया जाए, तब श्रीराम के चरित्र का क्या महत्व रहेगा। दुर्योधन, कर्ण को महाभारत से हटा दे तब कृष्ण और अर्जुन का क्या महत्व रहेगा। मुगलों और आदिलशाह को छोड़ दें तब फिर शिवाजी महाराज के इतिहास को कैसे समझेंगे? ठीक इसतरह अंग्रजों को अलग कर दिया, तब भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महत्व को कैसे समझेंगे? आव्हाड का यही ट्वीट अब उनके लिए गले की हड्डी बनता हुआ नजर आ रहा है। उनके इस बयान के खिलाफ विरोध के सुर उठ रहे हैं। यह कोई पहला मामला नहीं है, इसके पहले भी जितेंद्र आव्हाड विवादित बयान देते रहे हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने कहा था कि औरंगजेब हिंदू विरोधी शासक नहीं था। अगर वह हिंदू विरोधी होता तब जिस जगह पर छत्रपति संभाजी महाराज की हत्या की गई थी। वहां पर मौजूद विष्णु मंदिर को भी उसमें तोड़ दिया होता।

मेरठ में पनप रहा चाइल्ड पोर्नोग्राफी का कारोबार !

– सीबीआई की छापेमारी में मिला पोर्न वीडियो

मेरठ (एजेंसी)। दुनिया भर में प्रतिबंधित चाइल्ड पोर्नोग्राफी मामले को लेकर सीबीआई की टीम ने मेरठ में छापेमारी की कार्रवाई कर एक युवक से पूछताछ की, जिसके मोबाइल में अश्लील कंटेंट मिला। सीबीआई की टीम ने उसके तीन मोबाइल जब्त कर लिए। आरोप है कि मोहम्मद निसार नाम का शख्स सोशल मीडिया और प्रतिबंधित वेबसाइट पर बच्चों के अश्लील वीडियो अपलोड कर रहा था। जिसका नेटवर्क कहीं विदेश में संचालित होता है। मेरठ में अचानक सीबीआई की टीम की छापेमारी से हड़कंप मच गया। हालांकि सीबीआई ने इसे गोपनीय रखा था लेकिन मेरठ के थाना लिसाड़ी गेट क्षेत्र में सीबीआई की टीम को पुलिस फोर्स मांगना पड़ा। ये मामला मेरठ के थाना लिसाड़ी गेट क्षेत्र के जाकिर कॉलोनी का है। जहां निसार नाम का एक शख्स कारपेंटर का काम करता है लेकिन इसी शख्स पर आरोप है की चाइल्ड पोर्नोग्राफी के वीडियो को प्रतिबंधित वेबसाइट पर अपलोड करता है। गौरतलब है कि दुनिया में ढाई सौ से ज्यादा ऐसी पोर्न वेबसाइट हैं, जिन्हें प्रतिबंधित कर दिया गया है। चाइल्ड पॉर्नोग्राफी के वीडियो को डाउनलोड या अपलोड करना अपराध की श्रेणी में आता है और निसार यही काम कर रहा था। सूत्रों की मानें तो तुर्की के विदेश मंत्रालय से पीएमओ को इनपुट दिया गया था। इसी इनपुट के आधार पर सीबीआई की टीम ने मेरठ में छापेमारी की कार्रवाई की गई। फिलहाल सीबीआई की टीम इस मामले में जांच कर रही है। हालांकि मेरठ के पुलिस अधिकारी इस मामले में कुछ भी बोलने से बचते नजर आ रहे हैं।

पीएम मोदी का वैश्विक निवेशकों से देश के ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान

लखनऊ (एजेंसी)। बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक निवेशकों से देश के ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया और भारत को आज दुनिया में निवेश के लिए सबसे उपयुक्त स्थान बताया है। मोदी ने सोमवार को यहां भारत ऊर्जा सप्ताह-2023 (इंडिया एनर्जी वीक) का उद्घाटन करने के बाद कहा कि बजट 2023-24 में 10 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का प्रावधान किया गया है। इससे हरित ऊर्जा, सौर बिजली और सड़क क्षेत्रों को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं आपसे भारत के ऊर्जा क्षेत्र में सभी अवसरों का लाभ उठाने को कह रहा हूं। भारत आज निवेश के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है।'' भारत ऊर्जा सप्ताह में कई मंत्री, कॉरपोरेट जगत के दिग्गज और विभिन्न देशों के विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

मोदी ने अपने संबोधन में सरकार द्वारा हरित ऊर्जा को प्रोत्साहन देने और 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने के लिए उठाए गए कदमों का भी जिक्र किया। बजट 2023-24 में शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को 35,000 करोड़ रुपये दिए गए हैं। मोदी ने कहा कि जी20 की भारत की अध्यक्षता में भारत ऊर्जा सप्ताह पहला बड़ा कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की वजह से आज करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकलकर मध्यम वर्ग की श्रेणी में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल विनिर्माता बन चुका है। इसके अलावा, भारत आज दुनिया का चौथा सबसे बड़ा कच्चे तेल का शोधन करने वाला देश है।

मोदी ने कहा कि भारत कच्चे तेल की शोधन क्षमता को 25 करोड़ टन सालाना से बढ़ाकर 45 करोड़ टन सालाना करने पर काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि देश का गैस पाइपलाइन का नेटवर्क अगले चार-पांच साल में मौजूदा 22,000 किलोमीटर नेटवर्क से बढ़कर 35,000 किलोमीटर हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने ऐसे क्षेत्र को घटाकर 10 लाख वर्ग फुट पर ला दिया है, जहां तेल और गैस की खोज नहीं की जा सकती है। उनके

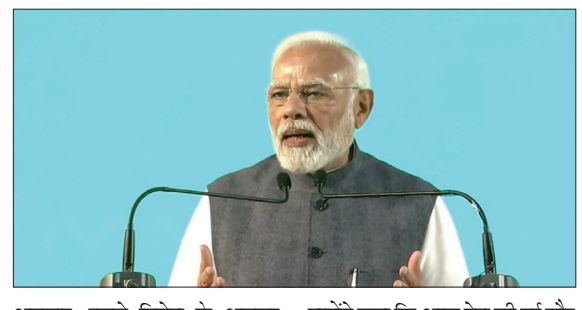

अनुसार, इससे निवेश के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि भारत पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज पेश की गई सौर कुकटॉप प्रणाली से भारत में 'खाना पकाने के काम' को एक नई दिशा मिलेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत रेलवे स्टेशन बदलेगा

अत्यामधुनिक स्टेशन में जहाँ होगा विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चुर और यात्री सुविधाएँ

नया प्रतिष्ठित स्टेशन भवन आर्थिक गतिविधियों के साथ व्यवसाय, व्यापार और वाणिज्य का अधिकेंद्र होगा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत देश के सबसे तेजी से बढ़ते शहरों में से एक है। यह आर्थिक गतिविधियों के साथ व्यापार और वाणिज्य का केंद्र है, जहाँ रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिला है। पश्चिम रेलवे देश के विभिन्न भागों के लिए कई ट्रेनें चलाती है, जिससे सूरत के लोगों की मांगों को पूरा किया जा सके। भारतीय रेल द्वारा देशभर के प्रमुख स्टेशनों को आधुनिक और विश्वस्तरीय स्टेशनों में बदलने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। देश भर में 1275 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत अपग्रेडेशन और आधुनिकीकरण के लिए चिह्नित किया गया है, जिनमें से 87 स्टेशन गुजरात में हैं। सूरत स्टेशन भी उनमें से एक है, जिसे संवारा जाएगा और जो नये भारत का नया रेलवे स्टेशन बनने के लिए तैयार है। पश्चिम रेलवे के मुख्य

जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सूरत स्टेशन का पुनर्विकास कार्य शुरू हो गया है और यह तेजी से प्रगति पर है। यह कार्य सूरत इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (SITCO) द्वारा किया जा रहा है, जो भारतीय रेलवे और गुजरात सरकार के बीच गठित एक विशेष प्रयोजन वाहन (SPV) है। गुजरात सरकार के 462 करोड़ रुपये के हिस्से सहित 1475 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से इस स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है। प्रथम चरण में 980 करोड़ रुपये के कार्य होंगे, जिसमें से रेलवे का हिस्सा 683 करोड़ रुपये, जबकि गुजरात सरकार का 297 करोड़ रुपये है। इसे मई, 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

इस संबंध में और अधिक जानकारी देते हुए ठाकुर ने बताया कि सूरत स्टेशन को एक मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट हब (MMTH) के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो रेलवे, जीएसआरटीसी सिटी बस टर्मिनल स्टेशन, मेट्रो आदि को एकीकृत कर निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। सूरत स्टेशन के वास्तुशिल्प परिवेश को विशेष प्रकार से डिजाइन किया गया है जो यह सुनिश्चित करेगा कि पूरा स्टेशन परिसर अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्यापार केंद्र की तरह दिखे और महसूस हो। उपयुक्त बाहरी स्वेरूप, फिनिश, रंग, सामग्री, बनावट के माध्यम से एकीकृत थीम इसकी भव्यता में इजाफा करेगी। इस परियोजना के फेज-I के अंतर्गत कार्य पहले ही शुरूहो चुका है। पूर्व की ओर रेलवे स्टेशन भवन में विद्युत केबल और पाइपलाइन जैसी उपयोगिताओं को स्थानांतरित करने का कार्य प्रगति पर है। इस स्थल पर 164 मीटर लंबा व 87 मीटर चौड़ा भवन बनाया जाएगा, जिसे डेढ़ साल में पूर्ण करने का लक्ष्य है। जीएसआरटीसी स्थल पर भवन की नींव व नाला बदलाव के लिए खुदाई का कार्य प्रगति पर है। पूर्व की ओर का भवन तैयार हो जाने के बाद पश्चिम की ओर स्थित स्टेशन भवन को ध्वस्त कर दिया जाएगा और पश्चिम की ओर के आवश्यक कार्यालयों और प्रतिष्ठानों को नए पूर्व की ओर स्टेशन भवन में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

इसके अतिरिक्त यह स्टेशन विभिन्न सुविधाओं के लिए पर्याप्त स्थान से भी सुसज्जित है। इस योजना में पृथक आगमन/प्रस्थान यात्री प्लाजा, स्टेशन परिसर में भीड़-भाड़ मुक्त और सुगम प्रवेश/निकास, भूमिगत पार्किंग व्यवस्था आदि शामिल हैं। बैठने के लिए पर्याप्त स्थापन, प्रतीक्षा क्षेत्र और व्यापक परिसंचरण क्षेत्र के साथ 10900 वर्गमीटर से अधिक का कॉनकोर्स, लाउंज और रिटेल स्पेतस से युक्त होगा और उपयोगकर्ताओं की बेहतर सुविधा एवं अनुभव के लिए MMT II में स्काईवॉक से जुड़ा होगा। प्लेटफॉर्म पर भीड़भाड़ से बचने के लिए कॉनकोर्स/वेटिंग स्पेस में प्लेटफॉर्म के ऊपर यात्री सुविधाएं भी होंगी। रेलवे स्टेशन 100% दिव्यांग अनुकूल होगा। पूरे स्टेशन परिसर में 41 लिफ्ट और 70 एस्केलेटर लगाए जाएंगे। ऊर्जा, जल और अन्य संसाधनों के कुशल उपयोग, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग आदि के लिए सुविधाओं के साथ स्टेशन भवन प्लेटिनम रेटिंग का हरित भवन होगा। स्टेशन अत्याधुनिक संरक्षा और सुरक्षा तकनीकों से भी लैस होगा जिसमें SCADA और BMS सहित बेहतर स्टेशन प्रबंधन के लिए कुशलता से डिज़ाइन की गई कई विशेषताएं शामिल हैं।

गुजरात में बीपीएल कार्ड गिरवी रखकर कर्ज ले रहे हैं गरीब

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पोरबंदर,पोरबंदर के पुलिस महानिरीक्षक मयंक सिंह चावड़ा ने जनता की मदद के लिए लोक दरबार लगाया। इसमें गरीबों ने शिकायत की। उनके बीपीएल कार्ड गिरवी रखकर सूदखोरों ने उन्हें कर्ज दिया है। साहूकार उन्हें बीपीएल कार्ड वापस नहीं लौटा रहे हैं। सूदखोर कर्ज मे दी गई रकम पर भारी ब्याज ले रहे हैं। जो कर्जदार ब्याज नहीं दे पाता है। उसका राशन कार्ड सूदखोर जप्त कर लेते हैं। सूदखोरों के पास एक हजार से ज्यादा बीपीएल के राशन कार्ड जमा हैं। गरीबों के राशन को लेकर ब्लैक में बेचकर हुए अपना ब्याज वसूल करते हैं। दबंग साहूकार बीपीएल धारियों को धमकाकर उनके फिंगरप्रिंट भी समय-समय पर लेता है।

पुलिस महानिरीक्षक चावड़ा के दरबार में जब इस असलियत का खुलासा हुआ। उसके बाद गुजरात की सही हकीकत,लोगों के साथ रूबरूहुई। ऐसे गुजरात मॉडल की आशा किसी ने नहीं की थी।

ट्रैफिक के बीच दोपहर युवती ने डबल डेकर ब्रिज से लगाई छलांग, गंभीर रूप से घायल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पूर्वी अहमदाबाद के सीटीएम स्थित डबल डेकर ब्रिज से आज दोपहर एक युवती ने मौत की छलांग लगा दी। ट्रैफिक के बीच युवती के छलांग लगाते हुए ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना में गंभीर रूप से घायल युवती को तुरंत एम्ब्युलैंस 108 की मदद से अहमदाबाद के एलजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के सीटीएम क्षेत्र में डबल डेकर ब्रिज है। जहां आज दोपहर के वक्त ट्रैफिक के बीच एक युवती ने किन्हीं कारणों से मौत की छलांग लगा दी। कुछ देर तक ब्रिज की दीवार पर युवती को खड़ी देख लोग उसे देखने लगे। मौके पर एकत्र लोग कुछ समझें इससे पहले युवती ने ब्रिज से छलांग लगा दी। युवती के नीचे गिरते ही मदद के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई।

एम्ब्युलैंस 108 को घटना की सूचना दी। गंभीर रूप से घायल युवती को शहर के एलजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।